



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 30, 1977 (श्रावण 8, 1899)
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 30, 1977 (SRAVANA 8, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (1)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० जसूजा को राष्ट्रपति द्वारा 20-6-1977 से 30-7-1977 तक 41 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगमेश्वरन् को, राष्ट्रपति द्वारा 2-6-1977 से 31-7-1977 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,
अवर सचिव,
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० आर०-5/73-प्रशासन-5—गृह आयोग में नियुक्ति हो जाने पर, श्री आर० सी० शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा, सहायक निदेशक (नीति), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय ने दिनांक 25 जन, 1977 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (नीति), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार स्थाग दिया।

पी० एस० निगम,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 जुलाई 1977

सं० 0-II-1062/77-स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर नरेन्द्रा शंकर पटिल को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० जी० ओ० ग्रेड-I (सहायक कर्माडेंट) के पद पर उनको 12-6-1977 अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० 0-II-998/75-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी तारीक अहमद, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्यागपत्र दिनांक 1-6-1977 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० 0-II-1013/75-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी मनोरंजन दास केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्यागपत्र दिनांक 11-6-1977 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० 0-II-1042/76-स्थापना—महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर निभारण मोहन्ती को, 4-7-1977 के पूर्वाह्न केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित होने तक, इनमें जो भी पहले ही उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक
प्रशासन

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 29 जून 1977

सं०-ई०-16013(2)/5/76-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री अशोक दरबारी, आई० पी० एस० (म० प्र०-1968) ने 9 मई, 1977 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० बरौनी के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-16014(1)/5/76-कार्मिक—तमिल नाडू राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति के दौरान श्री यू० सी० रामानुजम सहायक कमांडेंट (क० प्र० अ०) केन्द्रीय स्टोर हैदराबाद ने 15 जनवरी 1977 के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया और 9 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट कोचीन पोर्ट ट्रस्ट कोचीन के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

इसे दिनांक 12-5-77 के समसंख्यक पत्र अधिसूचना के अधिक्रमण में जारी किया जाता है।

सं० ई०-32015(2)/1/76-कार्मिक—राष्ट्रपति पुन-नियुक्ति पर ले० कर्नल एस० एस० देशपाण्डे को 19 मई, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के० श्री० सु० ब० यूनिट, एफ० सी० आई० ट्राम्बे का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं०-ई०-38013(3)/3/77-कार्मिक—स्थानान्तरित होने पर, श्री एन० सी० सूद सहायक कमांडेंट, के० श्री० सु० ब० यूनिट दिल्ली हवाई पत्तन, नई दिल्ली ने 10 फरवरी, 1977

के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने, जब वह नई दिल्ली में कैम्प पर थे, उसी तारीख से के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० डी० पी० एल० ऋषिकेश के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं०-ई०-38013(3)/17/76 कार्मिक—संगीपर से स्थानान्तरित होने पर, श्री चन्दगी राम सहायक कमांडेंट, के० श्री० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गापुर ने दिनांक 2 जून, 1977 के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013(3)/17/76-कार्मिक—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, श्री एम० एल० खुराना, ने 21 मई, 1977 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट भिलाई इस्पात लिमिटेड भिलाई के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 31 मई, 1977 के अपराह्न से केन्द्रीय स्टोर हैदराबाद के सहायक कमांडेंट (क० प्र० अ०) पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/19/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री ए० के० सेतगुप्ता, एस० ए० एस० अहमदाबाद के एस० श्री० (आप्टी) को के० श्री० सु० ब० अलॉण्ड इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर का अस्थायी तौर पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने 8 फरवरी 1977 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

इसे दिनांक 31-3-77 के समसंख्यक पत्र अधिसूचना के अधिक्रमण में जारी किया जाता है।

दिनांक 2 जुलाई 1977

सं०-ई०-38013(3)/7/77-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एस० बी० चौधरी को के० श्री० सु० ब० यूनिट बोकारो इस्पात संयंत्र बोकारो में तदर्थ आधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने 7 जून 1977 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 5 जुलाई 1977

सं०-ई० 32015(2)/7/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुन-नियुक्ति पर ले० कर्नल एस० एम० लाल को 7 मई 1977 के अपराह्न से अगले आदेश तक गुप्त मुख्यालय, के० श्री० सु० ब० कलकत्ता का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं०-ई० 32015(2)/7/76-कार्मिक—कलकत्ता से स्थानान्तरित होने पर, कर्नल एम० श्रीवास्तव ने 18 जून 1977 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय नई दिल्ली के सहायक महानिरीक्षक पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सी० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1977

सं० 25/13/74-म० पं० (प्रशा०-1)—26 मई, 1974 से 25 मई, 1977 तक जाम्बिया गणराज्य सरकार के अधीन आंकड़े उपयोगीकरण अनुदेशक के पद पर विदेश सेवा से वापस आने पर श्री पी० मेहरा ने तारीख 1 जून, 1977 को पूर्वाह्न से भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

राम भद्रा चारी,
भारत के महापंजीकार और
पदेन संयुक्त सचिव

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियाँ सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियाँ

कलकत्ता-16 दिनांक 5 जुलाई 1977

सं० 29/77/जी०—श्री एस० के० दत्त, मौलिक एवं स्थायी सहायक महानिदेशक ग्रेड-II, आर्डनेन्स फैक्टरियाँ, दिनांक 31 मई, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्टरियाँ

सं० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई 1977

सं० 15016/77-स्थापना—इस अकादमी के अधिसूचना संख्या 41/6/77-स्थापना दिनांक 10 मई, सन् 1977 के क्रम में, राजस्थान पुलिस के निरीक्षक श्री आंकार सिंह, जो कि सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में प्रतिनियुक्ति पर हैं, उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर मुख्य कवायद अनुदेशक के पद पर दिनांक 1 अगस्त 1977 पूर्वाह्न से फिर तीन मास के लिए अथवा जब तक अन्य नियमित रूप से मुख्य कवायद अनुदेशक के पद पर नियुक्त किया जाये, जो भी पहले हो, तब तक के लिए की जाती है।

महमूद बिन मुहम्मद,
निदेशक

कार्यालय महालेखाकार,

केन्द्रीय राजस्व

नयी दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई, 1977

क्रमांक प्रशासन I/5-5/पदोन्नति/77-78/का० आ०-264/771—वार्धक्य की आयु पूरी हो जाने के परिणाम स्वरूप श्री बी० के० सक्सेना इस कार्यालय के स्थाई लेखा अधिकारी को सरकारी सेवा से 30 जून, 1977 के अपराह्न से सेवा निवृत्त किया जाता है।

श्री सक्सेना की जन्म तिथि 8-6-1919 है।

सं० प्रशासन I/5-5/पदोन्नति/77-78/का० अ० न० 265/772—श्री ए० पी० मंडल स्थाई लेखा अधिकारी को स्वेच्छा से एफ० आर० 56 नियम के अधीन सरकारी नौकरी से 30-6-1977 (अपराह्न) को सेवानिवृत्त किया जाता है।

श्री मंडल ने सरकारी सेवा 22-10-1943 को आरम्भ की थी और उनकी जन्म तिथि 1-3-1920 है।

वीरेन्द्र,
लेखाधिकारी (प्रशासन)
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशा०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नयी दिल्ली-110022, दिनांक 5 जुलाई 1977

सं० 23011(1)/66/प्रशा०/II—निम्नलिखित अधिकारियों की, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के प्रथम श्रेणी के कनिष्ठ समयमान में, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी गई तारीख से पुष्टि कर दी गई है।

क्रम संख्या व नाम	पुष्टि की तारीख
1. श्री अरुण शर्मा	21-7-1976
2. श्री नन्द किशोर	21-7-1976
3. श्रीमती सी० आर० विजय लक्ष्मी गुप्ता	24-8-1976
4. श्री जे० नटराजन	29-7-1976
5. श्री जी० पी० मोहन्ती	15-1-1977
6. श्रीमती नरेश बाबा	27-11-1976
7. श्री आर० के० सिधल	5-12-1976

सी० पी० रामचन्द्रन,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

श्रम मंत्रालय

कार्यालय मुख्य श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1977

सं० प्रशा० 1/12(10) 76—मुख्य श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय) ने श्री रवीन्द्र पुष्पाड़ को इस संगठन में सर्वथा अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) के पद पर नियुक्त किया है। तदनुसार श्री पुष्पाड़ ने 3 जून, 1977 के पूर्वाह्न से कोटा में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

वेद प्रकाश गुप्त,
उप-मुख्य श्रम-आयुक्त (केन्द्रीय)

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

मुख्य-नियंत्रक,

आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/890/70-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी और इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री एल० प्रसाद को उसी सेवा के वर्ग-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए 1-5-1977 से 30-6-1977 तक अथवा जब तक नियमित रूप से व्यवस्था न हो जाए, इस में जो भी पहले हो, उसके लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री एल० प्रसाद को मुख्य-नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वोक्त अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० 6/502/56-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की श्रेणी-I के स्थायी अधिकारी, श्री आई० वी० चुनकत को 1-5-1977 से 30-6-1977 तक उसी सेवा के प्रवरण वर्ग में नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, श्री आई० वी० चुनकत को उपर्युक्त अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सं० 6/713/63-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी और इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री एन० ए० कोहली को उसी सेवा के वर्ग-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए 1-5-1977 से 30-6-1977 तक अथवा जब तक नियमित रूप से व्यवस्था न हो जाए, इसमें जो भी पहले हो, उसके लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री एन० ए० कोहली को मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वोक्त अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सं० 6/1215/77-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, श्री एम० एस० राजाजी, भारतीय प्रशासकीय सेवा को मद्रास में दिनांक 31 मई, 1977 (अपराह्न) से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० एस० गिल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 2 जुलाई 1977

सं० ई० 11/7—इस विभाग की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० ई०-11 7/, दिनांक 11 जुलाई 1969 में निम्नलिखित जोड़ा जाये, अर्थात्:

श्रेणी—2 नाइट्रेट मिक्सचर

1. प्रविष्टि “मेरीनेक्स जी० 3” के बाद में “मेरीनेक्स जी० एस०” जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० प्र०-1/1/(1051)—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर श्री शिवचरण गुप्त को दिनांक 1 जुलाई, 1977 के अपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ‘ए’ के ग्रेड-III) के रूप में नियुक्त करते हैं।

भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III में नियुक्ति होने पर श्री गुप्त ने दिनांक 1 जुलाई, 1977 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (प्रशिक्षण आरक्षी) का पदभार संभाल लिया।

कीरत सिंह, उप निदेशक. (प्रशा०)
हूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1977

सं० ए०-17011(119)/प्र०-6-77—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित प्रत्याशी श्री दीपांकर कीर्ति, भंडार परीक्षक (धातु) को दिनांक 18-6-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III की धातुकर्म शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कीर्ति ने दिनांक 18 जून, 1977 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार संभाल लिया।

सूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रशा०)
हूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 13 जून 1977.

सं० ई०-1-13 (180)/76—निर्वाह की आयु में उपनीत होने के कारण श्री आर० एल० मित्र, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक, 31 मई, 1977 के अपराह्न से कार्य निवृत्त हो गये हैं।

ए० सी० चट्टोपाध्याय,
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक (प्रशासन)
कृते लोहा और इस्पात नियंत्रक

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 11 जुलाई 1977

सं० 19011/79/75-स्था० ए०—भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी श्री एम० आर० रईकर की 1 जून, 1977 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर वर्ग अ के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न उप-अयस्क प्रसाधन अधिकारी के रूप में पदोन्नति की गई है।

सुरेश चन्द
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 जुलाई 1977

सं० एफ० 15-2/76-ए०-1—निम्नलिखित अधिकारियों को अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के ग्रेड में उनके नाम के सामने दर्शायी गई तारीख से मूल पद पर नियुक्त किया जाता है :—

1. श्री एन० एच० कुलकर्णी	23-2-74
2. श्री एस० एन० शर्मा	19-4-74
3. डा० आर० के० परती	1-3-75
4. श्रीमती शुक्ला सिंह	1-5-75
5. कु० ए० राय	1-5-75
(सेवानिवृत्त)	
6. डा० टी० आर० सरीन	1-5-75

दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० फा० 11/2-1/75-ए०—1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर इसके द्वारा डा० राजपाल, वैज्ञानिक अधिकारी (वर्ग-2 राजपत्रित), राष्ट्रीय अभिलेखागार, अभिलेख केन्द्र, जयपुर में दिनांक 23 जून, 1977 (म० पू०) से आगामी आदेश तक के लिये नियमित अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

एस० एन० प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय,

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1977

सं० 10/54/77-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री के० एल० मल्होत्रा को केन्द्र इंजीनियर, केन्द्रीय भण्डार, आकाशवाणी, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक 30 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप से सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० 10/48/77-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, राजिन्द्र पाल कुमार को दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर में दिनांक 24 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक जुलाई 1977

सं० 10/50/77-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० सी० श्रीवास्तव को दिनांक 30 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से दूर दर्शन केन्द्र, बम्बई में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जुलाई 1977

सं० 10/55/77-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जी० चन्द्रशेखरन को विविध भारतीय सेवा आकाशवाणी, बम्बई में दिनांक 21 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 10/58/77-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री नरेश कुमार को आकाशवाणी, नजीबाबाद में दिनांक 30 मई, 77 (पूर्वाह्न) से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 7 जुलाई 1977

सं० ए०-12026/4/77-सिबन्दी-I—श्री एम० एम० वैद्य, स्थायी मुख्य कैमरामैन, फिल्म प्रभाग बम्बई, दिनांक 30 जून, 1977 से अपराह्न से अपने पद को फिल्म प्रभाग में छोड़कर अफगानिस्तान में एक्सपर्ट सिनेमाटोग्राफर के पद पर डेपुटेशन के उपर इण्डो अफगानिस्तान, सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम, 1975-76 से मुताबिक उसी दिनांक से चल गये।

श्री वि० खोसला स्थानापन्न कैमरामैन को दिनांक 30 जून, 1977 के अपराह्न से श्री वैद्य के बदले, मुख्य कैमरामैन के पद पर निमुक्त किया है।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० ए०-12025/4/76-स्थापना --विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक कुमारी दीप्ति रानी गुप्ता, को इस निदेशालय में सहायक मुद्रण प्रबन्धक (बाह्य प्रचार) के पद पर 15 जून, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० बेवासर,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1977

सं० 17/63/73-एडमिन-1--परिवार कल्याण विभाग, में सम्पादक के पद पर चयन हो जाने पर फलस्वरूप श्री यू० एस० मिश्रा ने 21 जून, 1977 पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, नई दिल्ली से प्रचार अधिकारी (आडियो विज्युअल ऐड्स) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० ए० 11017/4/76-के० स० स्वा० यो०-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) आर० डी० टंडन को 28 फरवरी, 1977 अपराह्न से 30 जुलाई, 1977 तक, अथवा जब तक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत किया गया नियमित उम्मीदवार जॉइन नहीं कर लेता, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 39013/7/76-के० स० स्वा० यो० (भाग 1)--अपना त्याग पत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे श्री टी० बी० सिंह ने 13 अप्रैल, 77 (अपराह्न) से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 39013/9/77-के० स० स्वा० यो०-1--अपना त्याग पत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे डा० एन० सी० मेहरा ने 30 मई, 1977 अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० ए०-11017/5/76 के० स० स्वा० यो०-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एस० नेसामणी को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मद्रास में 24 फरवरी, 1977 पूर्वाह्न से 30 जून, 1977 तक या जब तक नियमित आधार पर कोई अधिकारी अपना कार्यभार नहीं संभाल लेता, जो भी पहले हो, आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12020/84/75 के० स्वा० सेवा०-2--अपना त्याग पत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) डा० वी० पी० लोहिया ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, से 28 जुलाई, 1976 अपराह्न से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

आर० के० जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1977

सं० ए-32013/9/76--ईसी०--इस कार्यालय की दिनांक 13 अप्रैल, 1977 की अधिसूचना के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों को तदर्थ पदोन्नति की अवधि प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक बढ़ा दी है :--

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	तारीख जिस तक तदर्थ नियुक्ति मंजूर की गई है।
1	2	3	4
1.	श्री एन० आर० स्वामी	नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग, हैदराबाद।	23-6-77
2.	श्री बी० के० खंडेलवाल	नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग कलकत्ता।	29-7-77
3.	श्री एस० के० सरस्वती	निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।	10-6-77
4.	श्री एस० पी० हरदास	वैमानिक संचार स्टेशन गौहाटी।	31-8-77
5.	श्री बी० एम० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद।	31-8-77
6.	श्री आर० के० वर्मा	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली।	31-8-77
7.	श्री वी० के० चौधरी	वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई।	31-8-77
8.	श्री एस० कृष्णा-स्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	31-8-77

1	2	3	4
9.	श्री सुशील कुमार	निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।	31-8-77
10.	श्री जे० बी० गर्मा	क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई।	31-8-77

पी० सी० जैन,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कामिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 8 जनवरी 1977

सं० पी० ए०/62(17)/73-आर०-4—इस अनुसंधान केन्द्र के 31 अक्टूबर, 1976 के समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थाई प्रमुख फायरमैन और स्थानापन्न उपअधिकारी श्री पांडुरंग मरोतराव सवाई को 18 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर 2 और महीने के लिये अथवा आगामी आदेशों तक के लिये, जो भी पहले हो स्थानापन्न स्टेशन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० बी० विजयकर,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 16 जनवरी, 1977

सं० पीए/76(28)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के (650-960) ग्रेड के एक स्थायी सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री नूरानी लक्ष्मणियर वेंकटेश्वरन को 1 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में (840-1200 80) के ग्रेड के कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री वेंकटेश्वरन ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अपने सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड के पदभार को 1 फरवरी 1977 के पूर्वाह्न को त्याग दिया।

पी० उन्नीकुण्णन,
उप स्थापना अधिकारी (भ)
कुले नियंत्रक

बम्बई-400085, दिनांक 5 फरवरी 1977

सं० पीए०/79(7)/76-आर०-4 — भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक श्री किशन साधूराम वाधवानी को 5 फरवरी, 1977 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 मार्च 1977

सं० पीए०/61(4)/76-आर०-4—इस अनुसंधान केन्द्र की 6 जनवरी, 1977 की अधिसूचना सं० पी०ए०/62(17)/73

आर०-4 के क्रम में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थाई प्रमुख फायरमैन और स्थानापन्न उपाधिकारी श्री पांडुरंग मरोतराव सवाई को 18 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में स्टेशन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उ नौकुण्णन,
उप स्थापना अधिकारी (आर),

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग
मम्बई-5, दिनांक 17 जून 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3(282)/76-प्रशा०-8385:—
विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक तारापुर परमाणु बिजली घर के लेखा अधिकारी-II श्री सी० आर० वालिया, को विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में उनका तबादला होने पर 26 मई, 1977 से अगले आदेश तक परियोजना में अस्थायी लेखा अधिकारी-II के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० बी० थट्टे,
प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय
मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट

मुम्बई-400001 दिनांक 9 जून 1977.

सं० एम० आर० पी० यू० (200)/(75)/77-प्रशासन—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के स्थानापन्न भंडारी श्री ए० वेंकटचलम को 16-5-77 के पूर्वाह्न से 18-6-77 तक कलपक्कम स्थित रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र में क्रय एवं भंडार निदेशालय के केन्द्रीय भंडार यूनिट में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० एम० आर० पी० यू०/200(143)/77-प्रशा० —
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी श्री जी० एन० नायर को 16-5-77 के पूर्वाह्न से 18-6-77 तक के लिए क्रय एवं भंडार निदेशालय के कलपक्कम स्थित रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र में केन्द्रीय भंडार यूनिट में भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी,
क्रय अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

अनुशक्ति-323303 दिनांक 7 जुलाई, 1977

सं० राषक्षिप/04627/1(421)/77/स्थ०/161—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के एक स्थायित्व वैज्ञानिक सहायक "बी" तथा स्थानापन्न विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री ए० डी० गुप्ता ने मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना, डाकखाना कलपक्कम (तमिलनाडु) में स्थानान्तरित होने पर इस परियोजना में अपने पद का कार्यभार दिनांक 15 जून, 1977 को (अपराह्न) छोड़ दिया है।

सं० राप्रविप 04627/1(411)/77/प्रशा०/स्था०/162—
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के एक स्थायित्व वैज्ञानिक
सहायक "सी" तथा स्थानापन्न विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड
एम० बी०, श्री पी० गान्गुली ने मन्त्रालय परमाणु विद्युत परियोजना,
डी० कन्प्लेक्स (नमिलनाडु) में स्थानांतरित होने पर इस परि-
योजना में अपनी पद का कार्यभार दिनांक 30 जून, 1977 को (पूर्वा-
ह्न) छोड़ दिया है।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था)

तारापुर परमाणु बिजलीघर

तारापुर-400001, दिनांक 8 जून 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/2/401/66—तारापुर परमाणु
बिजलीघर के स्थायी लेखाकार तथा स्थानापन्न लेखाधिकारी-II
बी० सी० आर० वालिया ने 21 मार्च, 1977 से 18 मई, 1977
तक की अवधि के लिए अर्जित अवकाश में जाने से पहले
19 मार्च, 1977 के अपराह्न से उपर्युक्त बिजलीघर में अपने पद
का कार्यभार छोड़ दिया, छुट्टी समाप्त होने पर, उन्हें विद्युत परि-
योजना इंजीनियरी प्रभाग में अन्तरण पर तैनात किया गया है।

सं० टी० ए० पी० एस०/2/1066/77—टेलीकॉम फ़ैक्ट्री
बम्बई के आवामिक लेखा परीक्षा अधिकारी के कार्यालय के स्थायी
सूक्ष्मण्व ग्रेड लेखापरीक्षक/स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री एस०
एस० डांगीने, जो इस समय तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक
लेखा अधिकारी की हैसियत में प्रतिनियुक्ति पर हैं, इस बिजलीघर
में अपना कार्यभार, अपने मूल विभाग में वापसी के कारण 30
अप्रैल, 1977 के अपराह्न से छोड़ दिया है।

दिनांक 9 जून 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/2/(1200)/76—तारापुर पर-
माणु बिजलीघर के स्थायी सहायक प्रशासन-अधिकारी तथा स्थाना-
पन्न कनिष्ठ प्रशासन-अधिकारी श्री ए० डी० भाटिया ने, उनका
इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, नई दिल्ली को प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण होने
पर, 21 मई, 1977 के अपराह्न से इस बिजलीघर में अपने पद
का कार्यभार छोड़ दिया।

(प्राधिकार : परमाणु ऊर्जा विभाग का दिनांक 29-4-77
का कार्यालय आदेश संख्या 20/6(9)/76-सी० सी० एस०)

के० बी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 27 जून 1977

सं० आर० आर० सी०-II-I(26)/72—रिएक्टर अनु-
संधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, श्री आर० राजमणि को,
जो भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी अपर श्रेणी
लिफ्टि है तथा इस केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सहायक

लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त हैं, 16-6-77 से 16-7-
77 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर तथा स्थाना-
पन्न रूप में लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी,
कृते परियोजना निदेशक

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलूर-562140, दिनांक 3 जून 1977

सं० 020/3 (061)/77—इसरो उपग्रह केन्द्र के
निदेशक, निम्नलिखित कामियों को उनके नामों के सामने
दिए गए पदों तथा प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों के पूर्वार्द्ध
से भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के इसरो उपग्रह केन्द्र
में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	तारीख	वेतनमान
1.	श्री एस० सुरेश बाबू	इंजीनियर	19-2-77	650-30-
	एस० बी०			740-35-
				880-ब० रो०
				40-960
2.	श्री जी० यादगिरि	इंजीनियर	7-3-77	—बही—
	एस० बी०			

बी० बी० एच० चौधरी,
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० ई० (1) 00913—बैद्यशालाओं के महानिदेशक
श्री एस० के० प्रसाद को 4 जून 1977 के पूर्वार्द्ध से आगामी
आदेश तक भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी० (केन्द्रीय सिविल
सेवा, ग्रुप-बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर
अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री प्रसाद, को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई
के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञानी,
कृते बैद्यशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1977

सं० ए० 32014/2/77-ई० ए—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को जो कि तदर्थ आधार पर सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी के पद पर स्थापनापन्न रूप में काम कर रहे थे, 1 जुलाई 1977 में स्थापनापन्न रूप में नियमित आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम संख्या	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री सरूपसिंह	पालम
2.	श्री सुरिन्द्र सिंह	सान्ताक्रुज
3.	श्री जे० एम० सेठी	सान्ताक्रुज
4.	श्री एन० जी० गिदवानी	पालम
5.	श्री डी० पी० मजूमदार	दम दम
6.	श्री ओ० पी० भटनागर	पालम
7.	श्री एस० बसु मलिक	दम दम
8.	श्री जी० एस० राजमणि	मद्रास
9.	श्री के० एम० हरिदास	सान्ताक्रुज
10.	श्री ए० के० सरकार	राऊरकेला
11.	श्री डी० के० गुहा	दम दम
12.	श्री एन० बी० धनपाल	मद्रास
13.	श्री डी० आर० मलिक	जयपुर
14.	श्री एस० एम० कौशल	रायपुर
15.	श्री एस० टी० शंमस	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, मद्रास
16.	श्री सी० पी० वरदराजन	मद्रास
17.	श्री पी० पी० जी० नायर	विशाखापत्तनम
18.	श्री एम० के० बनर्जी	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, दमदम
19.	श्री एम० गोविन्दराजन	तिरुचिरापल्ली
20.	श्री ए० सी० रायजादा	सफदरजंग
21.	श्री सोतन्तर लाल	जम्मू
22.	श्री एम० के० मेन	पटना
23.	श्री के० के० एन० पिल्ले	कोचीन
24.	श्री एस० इब्राहिम	मदुरै
25.	श्री ए० बी० दत्तादे	दम दम
26.	श्री एल० पी० सिन्हा	मुजफ्फरपुर
27.	श्री के० सी० चन्दवानी	अहमदाबाद
28.	श्री जे० के० मिश्र	पोर्ट ब्लेयर
29.	श्री मानवीर सिंह	नागपुर
30.	श्री जे० सी० कार	पटना
31.	श्री ए० के० राय	तुलुहाल
32.	श्री अमर शर्मा	मोहनवाड़ी
33.	श्री पी० बी० माथुर	नागपुर
34.	श्री एल० आर० बोरा	गौहाटी

पी० सी० जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1977

सं० ए० 12025/7/75-ई० एम०—राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख में अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थापनापन्न रूप में विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री रमेन्द्र कृष्ण पाल	28-2-77	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, बम्बई
2.	श्री रामचरण गुप्ता	5-3-77	निरीक्षण कार्यालय, हैदराबाद
3.	श्री सुखमन्दर सिंह कुनर	17-3-77	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, दिल्ली
4.	श्री मोहम्मद मुस्तफा	23-2-77	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, बम्बई

बी० बी० जोशूर,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० 16/177/69-स्थापना-1—श्री स्वर्ण सिंह अनुसंधान अधिकारी द्वारा इयूटी ग्रहण कर लेने पर श्री एम० पी० डिमरी, अ० अधिकारी दिनांक 30-6-77 को पूर्वाह्न से अपने मूल पद, अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग पर प्रत्यावर्तित हुए।

एच० बी० जोशी,
कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्ता,

पटना, दिनांक 1 जुलाई 1977

नि० सं० 11 (7) 1-स्था०/77/8129—भारत सरकार, राजस्व एवं बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के आदेश सं० 7/77 दिनांक 21-4-77, जो एफ० नं० ए० 22013/12 (एन०)/77-सी० ई० आर० सी० (प्र०) दिनांक 21-4-77 द्वारा जारी किया गया, के अनुसरण में श्री पी० के० राय, मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद, वेतन एवं लेखा अधिकारी के रूप में केन्द्रीय उत्पाद समाहर्तालय, पटना में दिनांक 6-6-77 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

हरिनारायण साहू,
समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1977

सं० ए० 12017/3/76-प्रशासन पांच—इस आयोग की अधिसूचना सं० ए० 12017/3/76-प्रशा० पांच, दिनांक 1-3-77 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, चौधरी भुजंगा राव को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 के वेतनमान में 1-3-77 से 22-3-77 की आगामी अवधि के लिए पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

मेहंगा राम,
अवर सचिव,
हुते अध्यक्ष,
केन्द्रीय जल आयोग

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे

दिनांक 8 जुलाई 1977

प्रशासन 17-14/72—अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा, के स्थायी सदस्य श्री देवेन्द्र कुमार अग्रवाल, अनुभाग अधिकारी के आगामी आदेश तक दिनांक 24-6-77 (अपराह्न) से स्थानापन्न तौर पर वर्कशाप, जोधपुर में लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० प्रशासन/17-14/72—अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा, के सदस्य श्री भोला नाथ यादव, अनुभाग अधिकारी के आगामी आदेश तक दिनांक 9 जून 1977 अपराह्न से स्थानापन्न तौर पर मण्डल कार्यालय जोधपुर में लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

रघुनन्दन जोशी,
मुख्य लेखा परीक्षक,
उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1977

सं० 10—भंडार विभाग उत्तर रेलवे के निम्नलिखित अधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अन्तिम रूप से रेल सेवा से निवृत्त हो गए हैं :—

1	2	3
(1)	श्री के० सी० मेहता जिला भंडार नियंत्रक (एस० सी०) प्रधान कार्यालय।	31-3-77 उपराह्न
(2)	श्री के० एल० कोहली, जिला भंडार नियंत्रक (रिप्रेजेंटेशन पर) जोधपुर, प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानान्तरित किया गया।	31-3-77 उपराह्न

1	2	3
(3)	श्री हरभजन सिंह खोसला वरिष्ठ भंडार नियंत्रक, प्रधान कार्यालय।	31-3-77 उपराह्न
(4)	श्री डी० एन० चटर्जी, उप भंडार नियंत्रक, प्रधान कार्यालय।	30-4-77 उपराह्न
(5)	श्री हरभजन सिंह, सहायक भंडार नियंत्रक (डीजल), मुगलकाबाद।	31-5-77 उपराह्न
(6)	श्री विजय मल्ल माथुर, सहायक भंडार नियंत्रक, जोधपुर।	30-6-77 उपराह्न

जे० एन० कोहली,
महा प्रबन्धक

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

मैमर्स ग्लोब मोटर्स (वर्कशाप) लिमिटेड के विषय में,
कम्पनी अधिनियम 1965 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत
नोटिस।

नई दिल्ली दिनांक

सं०—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के
दिनांक 24-9-75 के आदेश से मैमर्स ग्लोब मोटर्स (वर्कशाप)
लिमिटेड का परिसमापित होना, आदेशित हुआ है।

आर० के० अग्रोहा,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और चन्द्र नगर टिक० प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में।

दिनांक

1977

सं० 5339/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
अवसान पर चन्द्र नगर टिक० लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट
दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वी० पी० कपूर,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और वि० चौधरी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पश्चिम बंगाल, दिनांक 1977

सं० 11356/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वि० चौधरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सूर्या कुमार सि एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पश्चिम बंगाल, दिनांक 1977

सं० 19846/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सूर्या कुमार सि एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इण्डिया फेरो-मैंगनीज मैन्यूफैक्चरिंग कं० लिमिटेड के विषय में।

पश्चिम बंगाल, दिनांक 1977

सं० 25557/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इण्डिया फेरो-मैंगनीज मैन्यूफैक्चरिंग कं० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और किस्टोन इंजीनियरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पश्चिम बंगाल, दिनांक 1977

सं० 29292/550 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर किस्टोन इंजीनियरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वी० पी० कपूर,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1977

आयकर

सं० जुरि०-दिल्ली/2/77-78/16903—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 28-6-77 से निम्नलिखित आयकर सॉल्व बनाए जाएंगे।

1/डी०-6 (1) अतिरिक्त, नई दिल्ली।

सं० जुरि०-दिल्ली/2/77-78/17034—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले से सभी आदेशों/अधिसूचनाओं में संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी दूसरे आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं :—

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पदनाम	अधिकार क्षेत्र
1	2	3

1. आयकर अधिकारी, डि०- (क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'ए०' से 'के' (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों।

(ख) उपरोक्त मध (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी सांभेदार व्यक्ति।

2. आयकर अधिकारी, डि०- (क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी

1	2	3
		की वर्णमाला के अक्षर 'ए' से 'जेड' (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों।
		(ख) उपरोक्त मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।

यह अधिसूचना 28-6-77 में लागू होगी।

दिनांक 5 जुलाई 1977

सं० जुरि०-दिल्ली/2/77-78/17884—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा दिनांक 19-5-76 की अधिसूचना फा० सं० जुरि०-दिल्ली/2/76-77/7145 में आंशिक संशोधन करीं हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निर्देश देने हैं कि इसके साथ दी गई अनुसूची के बालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कांजम 3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु इस में उक्त अधिनियम की धारा 127 के अधीन बोर्ड द्वारा किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए या धारा 127 के अधीन इसके बाद सौंपे जाने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, के मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे।

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का नाम	अधिकार क्षेत्र
1	2	3
1.	आयकर अधिकारी, ठेकेदार सफिल, ए. वार्ड नई दिल्ली।	(क) ठेकेदार सफिल दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाले वे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो इंजीनियर तथा आर्किटेक्ट का कारोबार या धन्धा कर रहे हैं, किन्तु इसमें कंपनी सफिल-22, नई दिल्ली को सौंपे गए मामले शामिल नहीं होंगे।

1	2	3
		(ख) ठेकेदार सफिल, दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाले वे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'ए' या 'बी' से आरंभ होते हैं, किन्तु इसमें कंपनी सफिल-22 को सौंपे गए मामले शामिल नहीं होंगे।
2.	आयकर अधिकारी, ठेकेदार सफिल 'बी' वार्ड, नई दिल्ली।	(ग) उपरोक्त मद (क) तथा (ख) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।
		(क) ठेकेदार सफिल, दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाले वे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'सी' से 'के' (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों, किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिकारी कंपनी सफिल-22, नई दिल्ली तथा आयकर अधिकारी, ठेकेदार सफिल वार्ड-ए, नई दिल्ली को सौंप दिए गए हैं।
		(ख) उपरोक्त मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।
3.	आयकर अधिकारी, ठेकेदार सफिल सी-वार्ड, नई दिल्ली।	(क) ठेकेदार सफिल, दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाले वे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिन के नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'एल',

क्र० आयकर अधिकारी का
सं० नाम

अधिकार क्षेत्र

भी अक्षर से आरम्भ होते हैं, किन्तु इसमें आयकर अधिकारी, कम्पनी सकिंल-22, नई दिल्ली और आयकर अधिकारी, ठेकेदार सकिंल, वार्ड-ए, नई दिल्ली को सौंपे गए मामले शामिल नहीं होंगे।

(ख) उपरोक्त मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी साक्षेदार व्यक्ति।

‘एम०’, ‘एन०’, ‘ओ०’, तथा ‘वी०’ में से किसी भी अक्षर से आरम्भ होते होते हैं, किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिकारी, कम्पनी सकिंल-22, नई दिल्ली तथा आयकर अधिकारी ठेकेदार सकिंल, वार्ड-ए, नई दिल्ली को सौंप दिए गए हैं।

(ख) उपरोक्त मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी साक्षेदार व्यक्ति।

4. आयकर अधिकारी,
ठेकेदार सकिंल,
डी-वार्ड, नई दिल्ली।

(क) ठेकेदार सकिंल, दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाले वे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर ‘पी०’ से ‘आर०’ (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हैं, किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिकारी, कम्पनी सकिंल-22, नई दिल्ली तथा आयकर अधिकारी, ठेकेदार सकिंल, वार्ड-ए, नई दिल्ली को सौंप दिए गए हैं।

(ख) उपरोक्त मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी साक्षेदार व्यक्ति।

5. आयकर अधिकारी,
ठेकेदार सकिंल,
ई-वार्ड, नई दिल्ली।

(क) ठेकेदार सकिंल, दिल्ली के अधिकारी क्षेत्र में आने वाले वे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर ‘एस०’ से ‘जेड’ (दोनों को मिलाकर किन्तु ‘वी’ को छोड़कर) तक किसी

यह अधिसूचना 5-5-1977 से लागू होगी।

जगदीश चन्व

आयकर आयुक्त दिल्ली-2, नई दिल्ली।

आयकर विभाग

(केन्द्रीय)

बम्बई, दिनांक 24 मार्च, 1977

नीचे उन निर्धारितियों की सूची दी गई है, जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान — (1) व्यक्तियों या हिन्दू अविभक्त परिवारों का एक लाख रुपये से अधिक की आय पर, (2) फर्मों, कम्पनियों या व्यक्तियों के संगठनों का दस लाख रुपये से अधिक की आय पर हुआ और जिनमें पहली अपील का निपटारा हो चुका या फिर पहली अपील दायर करने का समय अपील किए बिना समाप्त हो चुका है। यहां (1), हैसियत ‘व्य०’ व्यक्ति का ‘हि० अ० प०’, हिन्दू अविभक्त परिवार का, ‘क’ कम्पनी का, ‘फ०’, रजिस्ट्रीकृत फर्म का, ‘अरजि० फ०’, अरजिस्ट्रीकृत फर्म का, (2) निर्धारण वर्ष का, (3) रिटर्न में दर्शाई आय का, (4) निर्धारित आय का, (5) निर्धारितता द्वारा देय कर का और (6) निर्धारितता द्वारा शुकाए गए कर का संकेत करता है।

अनुसूची-1

1. श्री अमीन अजीजभाई, 47, पायधुनी रोड, खड़क, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) आय का रिटर्न दाखिल नहीं किया, (4) रु० 1,56,000 (निर्धारित आय, अरजि० फ० से प्राप्त शेयर मात्र है)।

2. श्री अमीर अली अजीजभाई, 47, पायधुनी रोड, खड़क, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) आय का रिटर्न दाखिल नहीं किया, (4) रु० 1,56,000 (निर्धारित आय अरजि० फ० से प्राप्त शेयर मात्र है)।

3. श्री अशरफ-उ-रहमान अजीमुल्ला, सबसे ऊपरी मंजिल, रजत महल, 144, क्वीन्स रोड, बम्बई, (1) व्यं., (2) 1973-74, (3) रु० 50,200 (4) रु० 1,05,200, (5) रु० 81,875, (6) रु० 19,700
4. डा० (श्रीमती) वक्सी लक्ष्मी वी०, 101, कामर्स हाउस, मीडोज स्ट्रीट, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1973-74, (3) रु० 96,960, (4) रु० 1,10,166, (5) रु० 68,188, (6) रु० 68,188
5. श्री बुसा के० ए०, 63, शंकर शेठ बिल्डिंग, 380, गिरगांव रोड, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1969-70, (3) रु० 1,52,824, (4) रु० 1,52,824, (5) रु० 90,783, (6) रु० 90,783, (2) 1973-74, (3) रु० 1,83,747, (4) रु० 1,83,747, (5) रु० 1,36,558, (6) रु० 1,29,778.
6. श्री भाटिया अरुण आर्च० 101, कामर्स हाउस, मीडोज स्ट्रीट, बम्बई (1) व्यं., (2) 1974-75, (3) रु० 1,08,843, (4) रु० 1,09,300 (5) रु० 68,356, (6) रु० 68,356.
7. श्री भाटिया आर्च० एच०, 101, कामर्स हाउस, मीडोज स्ट्रीट, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1973-74, (3) रु० 92,517, (4) रु० 1,11,723, (5) रु० 70,410 (6) रु० 70,410.
8. श्री भाटिया प्रकाश आर्च०, 101 कामर्स हाउस, मीडोज स्ट्रीट, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1974-75, (3) रु० 1,35,705, (4) रु० 1,79,123, (5) रु० 1,42,970, (6) रु० 88,677.
9. श्री चारणिया फीरोज इस्माइलभाई, 47, पायधुनी रोड, खडक बम्बई। (1) व्यं., (2) 1970-71, (3) रु० 26,108, (4) रु० 3,73,490, (5) रु० 3,48,958, (6) रु० 4,900, (2) 1973-74, (3) आय का रिटर्न दाखिल नहीं किया, (4) रु० 5,55,050, (5) रु० 60,949, अरजि० फ० के शेयरों की आय, दर के लिए ली गई है, (6) कुछ नहीं 1,00,
10. श्री चारणिया इस्माइलभाई जमालभाई, 47, पायधुनी रोड, खडक, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1970-71, (3) रु० 13,719, (4) रु० 1,65,810, (5) रु० 1,45,338, (6) रु० 4,411, (2) 1973-74, (3) आय का रिटर्न दाखिल नहीं किया, (4) रु० 4,15,330, (5) रु० 1,47,269, (6) रु० 2,685. (अरजि० फ० के शेयरों की आय, दर के लिए ली गई है।)
11. श्री चारणिया करीमभाई इस्माइलभाई, 47, पायधुनी रोड, खडक, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1970-71, (3) रु० 29,829, (4) रु० 2,78,300, (5) रु० 1,91,153, (6) रु० 3,071. (2) 1973-74, (3) आय का रिटर्न दाखिल नहीं किया. (4) रु० 2,99,340. निर्धारित आय, अरजि० फ० से प्राप्त शेयर मात्र है)
12. श्री चारणिया शौकत अली इस्माइलभाई, 57, पायधुनी रोड, खडक बम्बई। (1) व्यं., (2) 1970-71, (3) रु० 15,867, (4) रु० 2,27,430, (5) रु० 1,95,133, (6) रु० 1,850, (2) 1973-74 (3) आय का रिटर्न दाखिल नहीं किया. (4) रु० 3,96,190, (5) रु० 26,506, अरजि० फ० के शेयरों की आय, दर के लिए ली गई है), (6) कुछ नहीं।
13. श्री चितलिया एल० एच०, 24, गोकुल, डा० आत्माराम मर्चेट रोड, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1973-74, (3) रु० 1,45,600, (4) रु० 1,45,600, (5) रु० 1,02,111, (6) रु० 1,02,111.
14. श्री देमाई डी० डी०, 24, बरेलवी सैयद अब्दुल्ला रोड, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1972-73, (3) रु० 1,46,230, (4) रु० 1,54,067, (5) रु० 37,423, (6) रु० 37,423, (2) 1973-74, (3) रु० 1,19,960, (4) रु० 1,22,350, (5) रु० 39,188, (6) रु० 39,188, (2) 1974-75, (3) रु० 1,15,400, (4) रु० 1,18,070, (5) रु० 37,935, (6) रु० 37,935, (2) 1975-76, (3) रु० 1,02,233, (4) रु० 1,05,633, (5) रु० 28,234, (6) रु० 28,234.
15. डा० देमाई एन० डी० डी० 24, बरेलवी सैयद अब्दुल्ला रोड, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1975-76, (3) रु० 94,224, (4) रु० 1,00,957, (5) रु० 23,782, (6) रु० 23,782.
16. श्रीमती देमाई शान्ताबेन, डी०, 24, बरेलवी सैयद अब्दुल्ला रोड, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1974-75, (3) रु० 1,01,258, (4) रु० 1,01,260, (5) रु० 28,793, (6) रु० 28,793.
17. श्री गारवी डी० एस०, 3, उषा किरण, कारमाइकल रोड, बम्बई। (1) व्यं., (2) 1964-65, (3) रु० 22,971, (4) रु० 1,09,837, (5) रु० 60,323, (6) रु० 45,000,

- (2) 1969-70, (3) रु० 26,960, (4) रु० 1,04,850, (5) रु० 64,719, (6) कुछ नहीं।
18. श्री गोयन्का सी० एम० 16, बालकेश्वर रोड, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1954-55, (3) रु० 28,343, (4) रु० 1,03,343, (5) रु० 51,894, (6) रु० 4,186, (2) 1955-56, (3) रु० 24,479, (4) रु० 1,24,479, (5) रु० 73,237, (6) रु० 2,500, (2) 1956-57, (3) रु० 33,013, (4) रु० 1,33,013, (5) रु० 81,674, (6) रु० 5,416, (2) 1957-58, (3) रु० 48,378, (4) रु० 1,48,378, (5) रु० 81,319, (6) रु० 4,283, (2) 1958-59, (3) रु० 76,080, (4) रु० 1,76,080, (5) रु० 97,313, (6) रु० 21,988, (मद (4) के मुताबिक चुकाए गए कर में स्वेच्छया प्रकटन योजना के अधीन किया तथा भुगतान शामिल नहीं है।)
19. श्री हाजी मस्तान मिर्जा, मेहर बिल्डिंग, चौपाटी, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) आय का रिटर्न दाखिल नहीं किया। (4) रु० 21,09,086, (5) रु० 32,28,688, (धारा 139, और धारा 217 के अधीन व्याज को मिलाकर)। (6) कुछ नहीं।
20. श्री एच० एच० डा० सैयदना मोहमद बुरहानुद्दीन, बद्री महल, डी० एन० रोड, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 2,05,560, (4) रु० 2,05,560, (5) रु० 1,57,235, (6) रु० 1,57,235.
21. श्री कमानी आशिष पी०, कमानी चेम्बर्स, 32, निकोल रोड, बैलार्ड इस्टेट, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 1,45,530, (4) रु० 1,43,910, (5) रु० 1,00,197, (6) रु० 1,00,197.
22. श्री कमानी एच० आर०, कमानी चेम्बर्स, 32, निकोल रोड, बैलार्ड इस्टेट, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 67,350, (4) रु० 1,25,670, (5) रु० 42,415, (6) रु० 5,849.
23. श्री कमानी नवीन आर०, कमानी चेम्बर्स, 32, निकोल रोड, बैलार्ड इस्टेट, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 68,790, (4) रु० 1,00,900, (5) रु० 60,628, (6) रु० 55,770.
24. श्री कापडिया नगीनदास, एम०, गुलिशतां, 1 ली० मंजिल, 14 बां रास्ता, खार, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 2,61,520, (4) रु० 2,61,520, (5) रु० 2,22,586, (6) रु० 54,108.
25. श्री मेहता चन्द्रकांत एम०, मार्फत मै० गुगराट ए० कं०, टारमिडि लेन, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 1,28,033, (4) रु० 1,32,310, (5) रु० 89,966, (6) रु० 89,966.
26. श्री मेहता डी० सी०, मार्फत मै० मोहनलाल रायचन्द, 81, झवेरी बाजार, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 1,61,783, (4) रु० 1,81,530, (5) रु० 1,43,847, (6) रु० 1,43,847.
27. श्री मेहता बी० सी०, मार्फत मै० मोहनलाल रायचन्द, 81, झवेरी बाजार, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 1,67,168, (4) रु० 1,76,690, (5) रु० 1,39,183, (6) रु० 1,39,183.
28. श्री नसरुद्दीन अब्दुल करीम, बैतूल सिरुर, बार्डन, रोड, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1971-72, (3) रु० 35,480, (4) रु० 1,54,510, (5) रु० 1,55,482, (6) कुछ नहीं, (2) 1972-73, (3) रु० 70,850, (4) रु० 1,02,646, (6) 50,324, (6) कुछ नहीं.
29. श्री पटेल जे० बी०, मार्फत जे० बी० पटेल ए० कं०, 32-34, बी० एन० रोड, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 98,620, (4) रु० 1,53,720, (5) रु० 1,09,222, (6) रु० 70,895, (2) 1973-74, (3) रु० 1,56,680, (4) रु० 1,78,170, (5) रु० 1,31,716, (6) रु० 1,31,716.
30. श्री पटेल परमानंद टी०, पटेल हाउस, एस० पाटकर मार्ग, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1969-70, (3) रु० 1,00,150, (4) रु० 1,08,450, (5) रु० 58,537, (6) 52,067, (2) 1970-71, (3) रु० 1,70,480, (4) रु० 2,00,690, (5) रु० 1,29,823, (6) रु० 1,29,823, (2) 1973-74, (3) रु० 69,250, (4) रु० 1,08,880, (5) रु० 67,970, (6) रु० 33,896.
31. श्री पटेल रमनलाल टी०, पटेल हाउस, एस० पाटकर मार्ग, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 72,530, (4) रु० 1,12,160, (5) रु० 70,987, (6) रु० 51,701.
32. श्री पटेल एम० जे०, मार्फत जे० बी० पटेल ए० कं०, 32-34, डी० एन० रोड, बम्बई। (1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 1,26,620, (4) रु० 1,38,710, (5) रु० 95,615, (6) रु० 85,384, (2) 1974-75, (3) रु० 1,26,273,

- (4) रु० 1,42,250, (5) रु० 98,410,
(6) रु० 98,410 ।
33. श्री पेशीभाष मोहम्मद हसन इस्माइल, मार्फत मै० संम्म
इं० जी०, वर्क्स घोडपदेव काम लेन, मझगांव, बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 24,957,
(4) रु० 3,70,000, (5) रु० 3,22,427,
(6) कुछ नहीं ।
34. श्री शाह सी० एम० रेमन हाउस, बेकबे रिक्लेमेशन,
बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 62,960
(हानि), (4) रु० 2,75,510, (5) रु०
2,37,640, (5) रु० 10,000, (2) 1973-
74, (3) रु० 45,810, (4) रु० 1,17,
660, (5) रु० 77,568, (6) कुछ नहीं ।
35. श्री शाह डी० एन०, कृष्ण निवास, 2/12, बातकेश्वर
रोड, बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 17,500,
(4) रु० 3,15,000, (5) रु० 3,17,144,*
(6) कुछ* नहीं, ध्याज मिला कर ।
36. श्री शाह एच० के० रेमन हाउस, बेकबे रिक्लेमेशन,
बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 4,30,000,
(4) रु० 3,45,610, (5) रु० 2,97,778,
(6) रु० 15,000, (2) 1973-74, (3)
रु० 64,950, (4) रु० 1,83,570, (5)
रु० 1,26,060, (6) रु० 16,179 ।
37. श्री शाह जे० बी०, मार्फत मै० लक्ष्मी बैंगल्स इंड०, 6-टी
कार्टर रोड वरली, बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 32,182,
(4) रु० 1,30,231, (5) रु० 1,12,405,
(6) रु० 51,566, (2) रु० 1973-74,
(3) रु० 41,230, (4) रु० 1,10,522,
(5) रु० 80,475, (6) रु० 13,500 ।
38. श्री शाह एम० जी०, काचियापोल, टेकडी केम्बे,
गुजरात-राज्य ।
(1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 70,892,
(4) रु० 1,02,881, (5) रु० 49,694,
(6) रु० 17,603 ।
39. श्री शाह एस० बी०, मार्फत महावीर बैंगल वर्क्स,
6-टी कार्टर रोड, बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 32,403,
(4) रु० 1,31,780, (5) रु० 89,038,
(6) रु० 45,280, (2) 1973-74,
(3) रु० 36,960, (4) रु० 1,04,300,
(5) रु० 74,191, (6) रु० 11,466 ।
40. श्री शाह एस० के०, रेमन हाउस, 169, बेकबे रिक्लेमेशन,
बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 10,630,
(हानि), (4) रु० 3,39,603, (5) रु०
2,93,234, (6) रु० 32,866, (2) 1973-
74, (3) रु० 70,000, (4) रु० 1,79,220,
(5) रु० 1,51,214, (6) 30,340 ।
41. श्रीभती तोशनीवाल पुष्पनता, 98, जे० टी० रोड,
चर्चगेट, बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1973-74, (3) रु० 1,49,490,
(4) रु० 1,53,600, (5) रु० 1,06,154,
(6) रु० 1,06,154 ।
42. श्री वल्लरानी एम० एच०, केनरा बिल्डिंग, 15/17,
मैंगलोर स्ट्रीट, बम्बई ।
(1) व्य०, (2) 1972-73, (3) रु० 38,417,
(4) रु० 1,01,921, (5) रु० 61,275,
(6) रु० 14,696 ।

अनुसूची-II

1. मै० अपार प्रा० लि०, 24, वरेलवी शीयद अम्बुल्ला
रोड, बम्बई ।
(1) कं०, (2) 1966-67, (3) रु० 27,67,
592, (4) रु० 26,70,072, (5) रु०
12,25,110, (6) रु० 12,25,110 ।
2. मै० कमानी मेटल्स एं० एलाइज लि०, कमानी चेम्बर्स
32, निकोल रोड, बैलाड इस्टेट, कं० ।
(1) कं०, (2) 1962-63, (3) रु० 13,83,700,
(4) रु० 13,83,700, (4) रु० 6,40,763,
(6) रु० 6,40,763, (2) 1963-64,
(3) रु० 29,43,767, (4) रु० 29,63,767,
(5) रु० 14,14,166, (5) रु० 14,14,166,
(2) 1972-73, (3) रु० 16,45,270,
(4) रु० 27,01,645, (5) रु० 15,90,
462, (6) रु० 15,90,462 ।
3. मै० कमानी मेटलिक आक्साइड प्रा० लि०,
कमानी चेम्बर्स, 32, निकोल रोड, बैलाड इस्टेट,
बम्बई ।
(1) कं०, (2) 1972-73, (3) रु० 14,86,518,
(4) रु० 17,39,278, (5) रु० 9,35,337,
(6) रु० 8,11,833 ।
4. मै० कमानी ट्यूब्स प्रा० लि०, कमानी चेम्बर्स, 32,
निकोल रोड, बैलाड इस्टेट, बम्बई ।
(1) कं०, (2) 1972-73, (3) रु० 63,28,440,
(4) रु० 68,75,226, (5) रु० 41,77,044,
(6) रु० 39,22,412 ।

5. मै० किलिफ निस्मत लि०, किलिफ हाउस, होम स्ट्रीट, बम्बई ।

(1) कं०, (2) 1972-73, (3) रु० 27,58,058,
(4) रु० 27,60,000, (5) रु० 11,27,
484, (6) रु० 11,27,484 ।

6. मै० न्यू स्टैडर्ड इं० जी० कं० लि०, एन० एस० ई० इस्टेट, गोरे गांव, (पू०) बम्बई ।

(1) कं०, (2) 1962-63, (3) रु० 13,04,372,
(4) रु० 13,87,340, (5) रु० 5,61,119,
(5) रु० 5,61,119, (6) रु० 5,61,119,
(2) 1972-73, (3) रु० 9,10,691,
(4) रु० 10,92,650, (5) रु० 6,53,409,
(6) रु० 6,53,409 ।

7. मै० रिलायेबल ट्रेडर्स, 47-पावधुनी रोड, खडक, बम्बई ।

(1) फर्म*, (2) 1970-71, (3) 86,990, (4)

रु० 11,99,296, (5) रु० 3,89,805,
(6) रु० 4,248, (1) अरजि० फ०, (2)
1973-74, (3) आय का रिटर्न दाखिल
नहीं किया, (4) रु० 10,00,000,
(5) रु० 12,04,602, धारा 139 के अधीन
ब्याज मिला कर, (6) कुछ नहीं ।

8. मै० वेस्ट कोस्ट गेपर मिल्स लि०, श्रीनिवास हाउस,
एच० एस० मार्ग, बम्बई ।

(1) कं०, (2) 1972-73, (3) रु० 1,38,03,450,
(4) रु० 1,39,65,130, (5) रु० 78,72,
842, (6) रु० 78,72,842 ।

तं० यो० चं० राव,
आयकर आयुक्त (केन्द्रीय),
बम्बई

तारीख 24-3-77

प्रारूप धार्ढ्य टो० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 11 जुलाई 1977

निर्देश सं० 48/77-78/आई० ए० सी० (ए/आर०)/भुवनेश्वर—यतः, मुझे मु० प्र० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 204 है, जो मौजा-टाउन बिशिनबर में स्थित है (यौ० हमसे उपानवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जिला सब रजिस्ट्रार कटक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच गैरे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में समा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी निश्चित आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रमेश चन्द्र मित्र, पिता श्री रायबहादुर रमेश चन्द्र मित्र,

2. कृष्णा मित्र स्वामी - रमेश चन्द्र मित्र

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण भगवावाला पिता श्री मूलचान्द भगवावाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, राक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान कटक जिला में मौजा टाउन बिशिनबर में स्थित है। जिसका टो.जी. नं० 2498 और खाता नं० 916/1 है। वह जमीन कटक जिला - सब रजिस्ट्रार आफिस में 15-4-77 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ, जिसका डाकुमेंट नं० 2124 है।

मु० प्र० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज भुवनेश्वर

तारीख : 11-7-77

मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 77

निर्देश सं० सी० आर० -514/6-2/77-78 :—यनः, मुझे,
एस० सी० परीख,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिखाने के लिए आवश्यक है कि
आयकर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी नं० सर्वे नं० 73, टीका नं० 19/1, पैकी,
है, जो दांडिया बाजार, बड़ौदा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
प्लॉट्स में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नमूना, 76की एवरेक सम्पत्ति का उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए गणना की गई है और मुझे यह दिखाने के लिए आवश्यक
है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से प्रयुक्त नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री इन्द्र सिंह अजीत सिंह, 28 हरीनगर सोसायटी,
गोत्री रोड, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) धर्मेन्द्र एपार्टमेंट को० आप० हाउसिंग सोसायटी
प्रमुख : जगदीश चन्द्र भोगीबाल परीख, दांडीया
बाजार, बड़ौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी बात हो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रस्तुत बांधी और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 931
वर्ग फुट है तथा जिसका सर्वे नं० 73, टीका नं० 19/1, (पैकी)
है तथा जो दांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 14-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजुन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 77

निदेश सं० पी० आर० 515/6-2/77-78 :—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 73, टीका नं०, 19/1, (पैकी) है, जो दांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धरमेन्द्र सिंह जी अजीत सिंह जी, 28, हरीनगर सोसायटी, गोत्री रोड़, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) धरमेन्द्र एपार्टमेंट को० ओप० हाउसिंग सोसायटी प्रमुख : जगवीश चन्द्र भोगीलाल परीख, दांडिया बाजार, बड़ौदा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 931 वर्गफुट है तथा जिसका सर्वे नं० 73, टीका नं० 19/1 (पैकी) है तथा जो दांडिया बाजार बड़ौदा में स्थित है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजुन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 14-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-

अहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 77

निदेश सं० पी० आर० नं० 516/6-2/77-78:—यतः,
मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 73, टीका नं० 19/1 (पैकी)
है, जो दांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम,
1961 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरणों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में धारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री अजीत सिंह हरीसिंह जी 28, हरीनगर सोसायटी
गोली रोड़, बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) धरमेन्दर एपार्टमेंट को० आप० हाउसिंग सोसायटी
प्रमुख : जगदीशचन्द्र भोगीलाल परीख, दांडिया
बाजार, बड़ौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 915
वर्गफुट है तथा जिसका सर्वे नं० 73, टीका नं० 19/1 (पैकी)
है तथा जो दांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 14-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती वसंत कुंवरबा अजीत सिंह जी 28, हरीनगर सोसायटी गोवती रोड, बड़ौदा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II

अहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 77

निदेश सं० पी० आर० 517/6-2/77-78 :—यत्तः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 72, टीका नं० 19/1, (पैकी) है, जो दांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) धरमेन्दर एपार्टमेंट को० ओप० हाउसिंग सोसायटी, प्रमुख : जगदीशचन्द्र भोगीलाल परीख, दांडिया बाजार, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2(4-ग) में स्थापित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 951 वर्ग फुट है तथा जिसका सर्वे नं० 73, टीका नं० 19/1, (पैकी) है तथा जो दांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज -II

तारीख : 14-7-77
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-17-77 (583)/11-4/76-77 :—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० म्यूनिसिपल नं० 11-4-79, सिटी सर्वे वार्ड नं० 4, एस० नं० 3177 है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग, रानावाव से कुंदोरावा रोड पर, महात्मा गांधी रोड, पोरबन्दर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल तय पाया गया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

(1) मैसर्स नैशनल पेट्रोलियम कं० की ओर से भागीदार :—

1. श्री नाथालाल गोकूल दास
2. श्री मानाजी कालीदास
3. श्री शामाजी लाधाभाई
4. श्री गोकुल दास लाधाभाई
5. श्री छगनलाल लाधाभाई
6. श्री रतीलाल लाधाभाई
7. श्री छत्रभूज लाधाभाई
8. श्री यूसूफअली मूसजी
9. श्री अकबर अली मूसजी,
10. श्री हुसनअली रहमतुला
11. श्री अब्दुल हुसेन मूसजी,
12. श्री जमनादास करनदास कोटेचा
13. श्री विनोदराय आधेवजी चोलेरा
14. श्री लखशी करसन दास कोटेचा

स्वयं तथा अन्य 1 से -13 नं० तक का पावर ऑफ एटारनी होल्डर (अन्तरिती)

(2) मैसर्स कोठारी एण्ड को० श्रीनाथजी नी हवेली के पास, महात्मा गांधी रोड, पोरबन्दर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एच अचल सम्पत्ति जो 990 वर्ग गज भूमि पर स्थित है, तथा जिसका म्यू० नं० 11-4-49, सिटी सर्वे वार्ड नं० 3, एस० नं० 3177, है पर, महात्मा गांधी रोड के पास, पोरबन्दर में स्थित है ।

एस० सी० परीख
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 14-7-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1977

निदेश सं० 73-के० / अर्जन—अन०, मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 98 है, तथा जो बेलदारी लेन, लालबाग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री हरबंस लाल

(अन्तरक)

(2) श्री खूबचन्द्र

(अन्तरिती)

(3) खरीवदार के कब्जे में (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का प्लॉट नं० 98, जो बेलदारी लेन, लालबाग, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-7-1977

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जुलाई, 1977

निर्देश सं० 74-के०/अर्जन—अन०, भूमे अमर सिंह
बिसेन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिनकी सं० मकान नं० 195/85 है, तथा जो गोला
गंज (बुलन्दबाग) लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
बर्ती करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकट —

4-176GI/77

(1) श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामिनी देवी रस्तोगी

(अन्तरिती)

(3) बिक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 195/85, मय जमीन, गोला गंज, (बुलन्द-
बाग) लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख : 11-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जुलाई, 1977

निर्देश नं० 151-एम० / अर्जन :-—यनः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 260/3 है तथा जो पूरा
बन्दी कीटगंज इलाहाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
ने, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती राम दुलारी

(अन्तरक)

(2) श्री श्री निवास, वीरेन्द्र कुमार, ललिता देवी

(अन्तरिती)

(3) खरीददार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 260/3, नाप 139.44 वर्ग मीटर,
पूरा बन्दी कीटगंज, इलाहाबाद।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-7-77

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जुलाई 1977

निर्देश सं० 94-एम० / अर्जन :—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 5-बी० है, तथा जो ए० पी० मेन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय कृष्ण श्रीवास्तव

(अन्तरक)

(2) श्री महेश्वर दयाल श्रीवास्तव, श्याम लाल श्रीवास्तव, ओंकार प्रसाद श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

(3) श्री जगदीश चन्द्र श्रीवास्तव

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5-बी०, नाप 12294 वर्गफिट जो ए० पी० मेन रोड पर लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसन,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-7-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री हरवृंण लाल खिन्डरी

(अन्तरक)

(2) श्री मुखर राज मुरगई

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई, 1977

निर्देश सं० 95-एम० / अर्जन :—अनं, मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 5ए० है, तथा जो सिंगार नगर लखनऊ, में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आधिकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित कान्तियों अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान अमला मय आराजी प्लॉट 5-ए०, जो सं० सिंगार नगर, लखनऊ, में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-7-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जुलाई, 1977

निर्देश नं० 68-ए० / अर्जन/ अतशैली / 77-78 :—अतः
मुझे, आर० पी० भार्गव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा
जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अतरौली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 13-10-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती काली गन्नी श्री रामदयाल संरक्षक श्री
हरपाल सिंह पुत्र राम दयाल निवासी ग्राम सुनपहाड़
अदाल पुर परगना अतरौली जिला अलीगढ़
(अन्तरक)

(2) श्री हरनाम सिंह, शिवानी सिंह पुत्र मौजराज सिंह
दलवत सिंह पुत्र बाल किशन श्री यादराम पुत्र
बिहारी सिंह निवासी ग्राम सुनपहाड़ अदालपुर
तहसील अतरौली जिला अलीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि ग्राम सुनबाहार अदालपुर, परगना,
ममीटी, तहसील, अतरौली जिला अलीगढ़ 25,500 रुपये के
विशेषमूल्य पर ब्रेकी गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-7-77
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जुलाई, 77

निदेश नं० 482-ए० / अर्जन/ औरैया/ 76-77 / 1996:—

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिमकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय औरैया (इटावा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्रीमती रामदुलारी पत्नी श्री प्रियाम सुन्दर दीक्षित निवासी औरैया जिला इटावा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नारायणी देवी पुत्री गंगाप्रसाद अवस्थी पत्नी श्री ओमजी दीक्षित निवासी ग्राम सिंहद औरैया जिला इटावा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम सिंहद, परगना औरैया जिला इटावा (60,000) के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 जुलाई, 77

निदेश नं० 478-ए०/अर्जन/कानपुर/76-77/2044:—

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं०

तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14-10-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,
म, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्री किशन चन्द निवासी - 6, राज निवास मार्ग
दिल्ली - 6

(अन्तरक)

(2) श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री महताब सिंह निवासी
111-ए० / 281 अशोक नगर आकनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० जी०-बी० 1 सर्वोदन नगर कानपुर
में स्थित 1,40,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-6-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

3भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० / 1/एस० आर० -III/
1217/ दिसम्बर-11 (6) / 76-77 / 1228:—अतः, मुझे,
जे० एस० गिल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० यू०-4/28 है तथा जो लाजपत नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 22-12-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० आर० शर्मा, श्री जसवन्त राय, निवासी
आई०-934, सारोजिनी नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार आहुजा सुपुत्र श्री करम चन्द आहुजा,
निवासी यू०-4/28 (डी० एम०) लाजपत नगर
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना क्वार्टर नं० यू०-4/28 (डबल स्टोरी)
(प्लॉट की भूमि सहित) 5% लीज होल्ड अधिकारी सहित
लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 दिल्ली- नई दिल्ली

तारीख : 12-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० / एयू० / 1/ 1; एस० आर० 111/1208/ दिसम्बर, -1/ (9) 76-77: / 2128 :—अतः, मुझे जे० एस० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी० -89 है, तथा जो जंगपुरा-बी०, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-1976 :

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5 76GI/77

(1) श्री आर० सी० नानगिया, सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री गोविन्द राम नानगिया। निवासी सी०-91, जंगपुरा-बी०, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद सुपुत्र श्री दीना नाथ, निवासी ए०-253 किदईव नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सरकारी बना मकाम जिसका नं० बी०-69 है जंगपुरा-बी०, नई दिल्ली में लीज होल्ड अधिकारी सहित निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जी० बी० पी० नं० -91

पश्चिम : खुला मैदान / जी० बी० पी० नं० 89

उत्तर : रोड़

दक्षिण : नाला/ रोड़

जे. एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई-दिल्ली-1

तारीख : 7-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली -1

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० / 1/एस० आर०-III/1193/नवम्बर-II (24) / 76-77 / 2128 :—अतः, मुझे, जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई० -94 है तथा जो ग्रेटर कैलाश -11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री यातीन्द्र पारती, सुपुत्र श्री राम प्रकाश पारती, निवासी 8-ए० / 118, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली -5

(अन्तरक)

(2) श्री बालकिशन किचलू सुपुत्र श्री परदुमन किशन किचलू निवासी बंगलानं० 14 बी० रोड, महारानी बाग, नई दिल्ली-14

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्तकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक निवासी मकान जो कि निम्न स्तर तथा पहली मंजिल पर 250 वर्गगज क्षेत्रफल के फ्री होल्ड प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० ई-94 है, ग्रेटर कैलाश -11, नई दिल्ली में निम्न प्रकाश से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० ई-96

दक्षिण : प्लॉट नं० ई-92

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-7-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 77

निर्देश सं० आई० ए० सी० / एक्यु० / III / 571 (5) 76/77:—अतः, मुझे ए० एल० सूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9 बी ब्लॉक 6 है तथा जो 6 बी० / 9 एन० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 नवम्बर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती धर्मयन्त्री रानी, चड्ढा पत्नी महाराज कृष्ण चड्ढा, बी० 6/10, एन० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रबिन्द्र नाथ दीवान (2) उपह्मन्त्र नाथ दीवान, (3) रजिन्द्र नाथ दीवान पुत्रगण श्री डी० डी० नाथ दीवान, निवासी 6 पुरानी जेल रोड़, अमृतसर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2. 1/2 मंजिला मकान जो कि 737 वर्गज प्लॉट पर बना है तथा जिसका प्लॉट नं० 9 बी ब्लॉक 6, एन० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली -110060 पर निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर : 20' सड़क

दक्षिण : 40' सड़क

पूर्व : मकान नं० 6/बी०/10

पश्चिम : मकान नं० 6 बी०/8

ए० एल० सूद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 28 जून 1977

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० / ए०यु० / III/569(3)/
76-77:—अतः, मुझे, ए० एल० सूद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2399 है, तथा जो नाई वाला हरध्यान
सिंह रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-11-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

श्री बिशन दास सुखीजा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री पोखर
दास निवासी के०-89 हौज खास, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मैं० वन्दना 2399 हरध्यान सिंह रोड करौल बाग
नई दिल्ली इनके हिस्सेदार श्री प्रेम चन्द अग्रवाल
के द्वारा

(3) 1. सेवा राम सूरि एण्ड सन्स 2. श्री बालकृष्ण
दास नागर, 3. श्री मातादीन अग्रवाल, 4 श्री रा राल
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2. 1/2 मंजिला बिल्डिंग जो 22 वर्गगज क्षेत्रफल के प्लॉट
पर बनी हुई है, जिसका नं० 2399 तथा वाडें नं० 16
है, नाई वाला हरध्यान सिंह रोड करौल बाग, नई दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित :—

पूर्व : होटल सोबती

पश्चिम : पंजाब एण्ड सिंध बैंक

उत्तर : गली

दक्षिण : रोड,

ए० एल० सूद

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-7-1977

मोहर :

प्रकृत आर्टी० टी० एन० एस०—

(1) श्री नारायण रेड्डी पिता चन्द्ररेड्डी कुमारवाडी
गली महबूबनगर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

महबूबनगर, दिनांक 13 जुलाई 77

सं० आर० ए० सी० 48/77-78 :—यत्, मुझे, के० एस०
वेंकटरमन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक हैऔर जिनकी सं० 3-5-51 है, जो कुमारवाडी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महबूबनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6-11-1976को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) श्रीमती मेस गालप्पा पति स्वर्गीय राघव रेड्डी घर
नं० 3-5-51 पुराना हासपीटल के पास कुमारवाडी
महबूबनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-5-51 कुमारवाडी पुराना हासपीटल के पास
महबूबनगर घर वेस्टर्न 317 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री की तारीख
उप रजिस्ट्री कार्यालय महबूबनगर दस्तावेज नं० 28/76-
77 ।के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज महबूबनगर

तारीख : 13-7-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 77

सं० आर० ए० सी० 49/77-78 :—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-887/1 है, जो सोमाजीगुडा में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी एन भवनानी पति स्वर्गीय नारायण पी० भवनानी (2) अनील भवनानी (3) बीमल भवनानी दोनों पढ़ने वाले बच्चे इनके जी० पी० ए० में - 1 और 2 नं० 1 घर नं० ए०-29 फ्रेन्च कालोनी, ईस्ट दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता कान्तीलाल शाह पति स्वर्गीय श्री कान्तीलाल शाह घर नं० 6-3-883/ए०/ B पनजागुट्टा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम बाग वो मंजिला घर नं० 6-3-887/1 और मार्क की गई है 'बी०' नक्शे में उसका विस्तार 480-8 वर्ग गज राजभवन रोड, बेगमपेट, हैदराबाद में है (अब उसको सीमाजीगुडा कहलाता है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1977

मोहर।

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जुलाई 1977

सं० आर० ए० सी० 50-77-78:—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 7-11-1079/7, है, जो मीरची कम-
पाऊंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 17-11-1976 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
पे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पैथर रमेश पिता विरेशम घर नं० 7-9-833/3
देवी रोड, निजामाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पद्माबाई पति जैराम भाई घर नं० 6-
20-52 गुराबाआबादी रास्ता निजामाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक झोंपड़ी और कुलीसता उसका पश्चिम भाग नं०
7-11-1079/7 और अतरापर्म

उत्तर : जमीन करसनदास और जेतलाल

दक्षिण : जमीन जो बालोजी का और गनगोनी गंगा
राम का

पूर्व : बच्छी जमीन बचने वाले की

पश्चिम : रास्ता पबलीक का

इस सम्पत्ति लाला लाजपत राय गंज के पीछे (मिरिजी
कमपाऊंड) निजामाबाद में है ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-7-1977

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राक्षुणी चिन्ना सुबारायुडु पिता चिन्ना सिदय्या बहादुरखान मजिद गली, कडपा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती करीमुल्लिमा बेगम पति हाजी मुहम्मद रहमतुल्ला काशीनाला पेता कडपा।

(3) पामुपाटी सुबारायुडु कडपा 1/310/ए०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबख्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दरवाजा नं० 1/310/ए० टेरासक घर गान्धी नगर कडपा के पास रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 3300/76 सब रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कडपा

तारीख : 15-7-1977

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० आर० ए० सी० 51/77-78 :—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/310/ए०, है, जो गांधीनगर में स्थित है (और इंग्ले उावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कडपा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० आर० ए० सी० 52/77-78 :—यतः, मुझे, के०
 एस वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
 धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
 करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4/231/1 से 3 प्लॉट नं० 65 अननतापुर
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अननतापुर
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 16-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
 यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
 का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
 6—176GI/77

(1) एम नरसिम्मा राज पिता मलकाली नारायणन
 राज नं० 8-3-648/3/2 एल० आई० सी० कालोनी
 येलारेडीगुडा हैदराबाद-38 मुक्तारनामा वार
 जी नटराज घर नं० 8-3-684/3/2 यैलारेडी
 गुडा हैदराबाद-38

(अन्तरक)

(2) एम नागबुशना राज पिता महेनदराकर जागेती
 राज एन्जीक्यूटिव इंजीनियर ईरीरीशन और पावर
 ओनगोल प्रकाशम जिला

(अन्तरिती)

(3) एम गोपालाकृष्णन नायडू नाजिम रीलीजोस
 देवादायाणाकी अननतापुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
 के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
 क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

पुराना नं० 4 टी एस० नं० 231/1 ता० 3 प्लॉट नं०
 विस्तार 0.139 टी० नं० 349 एससमेनट नं० 1172 प्रस्तुत
 टी० नं० 6/544 प्रस्तुत एससमेनट नं० 2929 अननतापुर रजिस्ट्री
 की गयी दस्तावेज नं० 5314/76 के द्वारा उप रजिस्ट्री कार्यालय
 अननतापुर।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० आर० ए० सी० 53/77-78—यतः, मुझे के० एस०
वेंकटरामन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 1282/1 और 1283 है, जो यल्लम्प-
पल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय म्यडकूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) म्यडकूर खण्डसारी शूगर इण्डस्ट्रीज भागीदार फर्म
जिनके भागीदार निम्नलिखित ह :

1. श्री टी० जी० कृष्णामूर्ति सुपुत्र टी० जी०
लक्ष्म्यासेट्टी बेपारी आदोनी

(2) श्री एच० पी० जैन सुपुत्र हिम्मतलाल जैन
बेपारी आदोनी

(3) श्री एस० सेतूरामाराव सुपुत्र
स्वर्गीय एस० नरसिंगराव

(4) श्री आर० पी० राम रेड्डी
सुपुत्र लोकी रेड्डी

जमीनदार
आदोनी

(अन्तरक)

(2) 1 श्री दाबरमल तिवेवाला सुपुत्र
बैजनाथ तिवेवाला,

2. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी नरेण
कुमार तिवेवाला

3. श्री पवन कुमार तिवेवाला
सुपुत्र डुंगर मल तिवेवाला

4. श्री प्रदीप कुमार तिवेवाला
सुपुत्र डुंगर मल तिवेवाला

5. श्री प्रभुदयाल सुपुत्र चिमन राम
कर्ता प्रभुदयाल

6. श्री गुलजारी राल केडीया
सुपुत्र रामनाथ केडीया

7. श्री राम गोपाल दालमीया सुपुत्र पुरुषोत्तम
दास, श्री जी० के० फयामीली ट्रस्ट द्वारा मिडकूर

मोजा कडपा जिला

5-9-30/2/24-25
बशीर बाग, हैदराबाद

15-2-673
किशनगंज
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन तथा ईमारत जो यल्लम्पल्ली मोजा, प्रोडतूर तालुका,
कडपा जिला में स्थित है जिसका सर्वे सं० 1282/1 और 1283
है और क्षेत्रफल 11.90 एकड़ है जिसे म्यडकूर रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय में दस्तावेज सं० 2324/76 में दाखला
दिया गया है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जून 1977

सं० आर० ए० सी० 54/77-78 :—यतः, मुझे के० एस०
बेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 6-15-1492, 1493 और 1496/1
नैजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय
नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) नेता जी जगदीशवर (2) अरुरापल्ली राजेश्वर
दोनों नैजामाबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री पदमा सिबाराजप्पा पिता पी० चिन्नाम्मा
बड़ा बाजार नैजामाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मील (मशीनरी नहीं है) स्तल का बाग नं० 6-15-
1492, 6-15-1993, और 6-15-1496/1 जानबरो का
गार्डन का और बैली शेड है मुरबा आबारी रास्ता नैजामाबाद
के पास है जुमला जमीन 1781.72 वर्ग फीट रजिस्ट्री की
गई है दस्तावेज नं० 2287/76 कार्यालय उप-रजिस्ट्री नैजामा-
बाद।

के० एस० बेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज नैजामाबाद

तारीख : 16-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नजामाबाद

नजामाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० आर० ए० सी० 55/77-78 :—यतः, मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6-15-1496, 1481 तथा 1384 है, तथा जो नजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवता पापय्या पिता जेनद्रय्या गानवी गनज
नजामाबाद । (अन्तरक)

(2) श्री पदमासवय्या पिता पदमा जिननय्या बड़ा बाजार
नजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्तल का विभाग नं० 6-15-1496 और 6-15-1481
ता० 1484 गार्डेन हाल वरसडा बगैरा है गुरबा आबादी
रास्ता नजामाबाद में जुमला विस्तृत 1784-44 वर्गगज है
रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 2305/76 उप रजिस्ट्री कार्यालय
नजामाबाद में

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नजामाबाद

तारीख : 16-7-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० आर० ए० सी० 56/77-78—यतः, मुझे के० एस्०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 68 है, जो युसूफगूडा में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
18-11-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को;
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

(1) श्री के० पुष्पावती (2) श्री के० हनुमत प्रसाद राव
(3) श्री के० सुब्बाराव 131/1 उमायल रोड
अलगप्पा नगर किलपाक मद्रास

(अन्तरक)

(2) श्री हरिपुन्यकोटी सुपुत्र गोपाल कृष्णय्या हरी,
4/16 आडीपेट, गूटूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्गगज है जो सर्वे नं०
68, युसूफगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसे रजिस्ट्रीकृत अधिकारी
हैदराबाद के कार्यालय में दस्तावेज सं० 1948/76 दाखिला
किया गया है। जिसका चोहद निम्नलिखित है :

पूरब : खुली जमीन नं० 8-3-219/1।

दक्षिण : 30 फीट चौड़ाई युसूफगूडा की सड़क।

पश्चिम : श्री रवीकुमार की जमीन।

उत्तर : 30 फीट का सड़क।

के० एस्० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-7-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० आर० ए० सी० 57/77-78 —यतः, मुझे, के० एस्० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 3-5-141/2/7 है, जो येडीन बाग कीनरा कर्ण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गण में; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री नवाब हमबाद जा बहादुर पिता एच ई एच नैजाम स्वर्गीय मीर उसमान अली खान बहादुर, 3-5-121/एफ० / 1 येडी बाग, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार देवड़ा—पिता जेरानलाल देवड़ा घर नं० 15-6-502 बेगम बजार हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-5-141/2/7 इसका बाग है येडीन बाग कीनरा कीटी हैदराबाद विस्तीर्ण 200 वर्गवार्ड रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 2155/76 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस्० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज-I बंबई-400002

बंबई-400002, दिनांक 13 जुलाई 1977

निदेश सं० अ० इ० I/1879-2/नव०-76—अतः,

मुझे, ० जे० फ न्डीज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/265, 430, 440, 267, 2/267 का लोवर परेल डिवीजन है तथा जो फरगुसन रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

(1) श्री एन० एम० विरवान्

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ए से जेड् इंडस्ट्रीयल प्रीमिसेस को० आप० सो० लि०

(अन्तरिती)

(3) सोसायटी के सदस्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2083/72/बंबई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 1-11-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फनन्डीज्

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बंबई

तारीख : 13 जुलाई, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बंबई

श्रीमती के० जी० एम० पी० आयुर्वेदिक बिल्डिंग,
5वां माला, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बंबई, दिनांक 15 जुलाई, 1977

निदेश सं० अ० इ० 1/1909/-4 / नव० -76 :—अतः,
मुझे एफ० जे० फर्नान्डीज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 34 का फोर्ट डिवीजन है, तथा जो रामपत रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स रडिया एण्ड कं० प्रा० लि० (अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. दलपतलाल चन्दुलाल मेहता

2. ब्रजलाल चन्दुलाल मेहता

3. विनाबेन भानुचन्द्र भंसाली

4. श्रीमती सुशीलाबेन रामनिकलाल मेहता

5. श्रीमती रजनिकबेन अरुणकुमार मेहता

6. श्रीमती प्रभावती कांतिलाल भंसाली

7. छोटालालना नालाल शाह फेमली ट्रस्ट और

8. अगविन एम० मेहता और श्री रत्नेन्द्र एम० मेहता, ऐस० एक्जक्यूट

(अन्तरिती)

(3) किराणदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेखनं० 1151/68/बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 15-11-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नान्डीज

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका 1 बंबई

तारीख : 15 जुलाई, 1977

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई 1977

निर्देश सं० अ० इ०-3/ए० पी० 276/77-78—अतः मुझे, जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० नं० 56, हिस्सा नं० 1, (अंश)

सी० टी० एम० नं० 709 है तथा जो देवरोड़, अंधेरी (इस्ट) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बान्द्रा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-11-1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. डा० नारायण रामचन्द्र देव खुद और खुद की हिन्दू अनादिवाइडेट फेमिली का कर्ता।
2. श्री नारायण आर० देव की पत्नी श्रीमती दुर्गाबाई।

3. श्री वसंत नारायण देव

4. श्री वसंत एन० देव की पत्नी श्रीमती ऊषा।

4. श्री विलास नारायण देव

6. श्री विलास एन० देव की पत्नी श्रीमती ज्योत्सना

7. श्री विजयकुमार नारायण देव

9. विजयकुमार एन० देव की पत्नी श्रीमती

रेखा सभी 29 ए दाऊद काग रोड, अंधेरी (प०) बंबई-58

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पानबाई मनशी छेड़ा द्वारा, श्री एम० पी० छेड़ा, 203, डी० एन० रोड, बंबई-400001।

2. श्री माहन यशवन्त सन्निस, सावित्री बिल्डिंग तेली गली, कास रोड, अंधेरी (पूर्व) बंबई-400169। (अन्तरिती)

(3) 1. श्री अमरनाथ रत्नजीत शर्मा 3, अपोलोदेवी को० ग्राप० हाउ० सो० लि०, दिक्षित रोड (पूर्व) विलेपारेल (प०) बंबई-57.

2. श्री चन्दुलाल मोहनलाल शाह, 'कल्पना' 26 पार्क, रोड, बिल पार्ने (पूर्व), बंबई-57 वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अंधेरी (पूर्व) में देव रोड पर मौजूद पड़ी हुई जमीन का वह तमाम टुकड़ा या नाग, जिसका सर्वे नं० 56 हिस्सा नं० 1 (भाग) और अंधेरी पूर्व सिटी सर्वे नं० 709, माप 536.79 वर्गमीटर या उसके लगभग है जो करीब 742 वर्ग गज के बराबर है और इस प्रकार सीमाबद्ध है कि पूर्व की ओर वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे की ओर जान वाली सड़क, पश्चिम की ओर अंशतः मिटी सर्वे नं० 708 व अंशतः सिटी सर्वे नं० 710, उत्तर की ओर देव रोड और दक्षिण और मिटी सर्वेक्षण नं० 710 वाली अर्सात है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

तारीख : 16 जुलाई, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती आथिनिया रेगो

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1977

निर्देश स० अ० इ० 1/1881-4 तब० -76 :—अतः, मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० एस० 136/10 का माटुंगा डिवीजन प्लॉट न० 172) है, तथा जो वावर माटुंगा इस्टेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1976।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) अरकाडिया को० आप० हाउ० सो० लि०,

(अन्तरिती)

(3) सोसायटी के सदस्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख न० 2986/72/बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 1-11-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नान्डीज

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन इलाका 1 बंबई

तारीख : 16-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -4

कलकत्ता, दिनांक 7 जुलाई, 1977

निर्देश सं० ए० सि०-1 / आर०-4 / कल०/-77-78 :—
अतः मुझे एस एस ईमानदार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सि० आई० टि० प्लॉट सं० 30 है तथा
जो स्कीम सं० 12, कलकत्ता में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 5-11-1976 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की जाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती यमुना देवी

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती सरजू देवी, रमादेवी, श्री कनाईया लाल
बाई,

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान और लगभग 148.475 स्क० मीटर जमीन जो
के प्लॉट सं० 30 सि० आई० टि० स्कीम सं० 12 (स्कीम
सं० 7 एम० के अन्तर्गत) पुराना प्रेमिसेस सं० 200/201, मानिक
तल्ला मेन रोड है*।

*जैसा के रजिस्ट्रार आफ ग्रसियोरनेसेस कलकत्ता के निकट
अन्तरण की बलि सं० 4280 के अनुसार अन्तरित हुआ
है।

एस० एस० ईमानदार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

तारीख : 7-7-1977

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज-4

कलकत्ता, दिनांक 7 जुलाई, 1977

निदेश सं० ए० सि०-जैड/आर०-4/कल०/77-78 :—

अतः, मुझे, एस० एस० ईमानदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० 24/ए० है, तथा जो मकुलेश्वर भट्टाचार्य लेन, कलकत्ता-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दीपिका बट्टाचार्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुजाता राय और श्री कुमार कृष्ण राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/ ए नकुलेश्वर भट्टाचार्य लेन, कलकत्ता-26, थाना टालिगंज, मौजा मनोहर पुर, कलकत्ता में स्थित 4 कट्टा 2 छटाक 40 स्कू० फिट जमीन, साथ दो मंजिला सफान।

एस० एस० ईमानदार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

तारीख : 7-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16,

कलकत्ता-16, दिनांक 11 जुलाई 1977

निर्देश न० ए० रि० -15/आर०-II/कल०/ 77-78—

अतः, मुझे, आर० बि० नालमेया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 18/3 है, तथा जो सत्येन राय ब्रन्च रोड पि० एम० बेहला कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार 24-परगना आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नन्दलाल बन्दोपाध्याय 18/3, सत्येन राय ब्रन्च रोड, कल०-34

(अन्तरक)

(2) श्री अलोक गांगुलि 53/1 ए० टर्फ रोड, कल०-25।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18/3, सत्येन राय ब्रन्च रोड पि० एम० बेहला कल० में अवस्थित 2 कटा 8 छटांक 20 वर्ग फिट जमीन पर दो तल्ला का मकान।

आर० बि० नालमेया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 11-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1977

निदेश सं० ए० सि०-3/अर्जन रें०-IV/कल०/76-78:—

अतः मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6/1/सि० है तथा जो प्राणनाथ चौधरी लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) नवशक्ति न्यूजपेपर को० (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश नारायण सुलतानिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुद्ध करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6/1/सि०, प्राणनाथ चौधरी, लेन, कलकत्ता स्थित एक मकान और 11 कट्टा 14 छटांक 37 स्को० फिट के लगभग जमीन।

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 12-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती नमित ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अनिल कुमार मुखर्जी, श्रीमती नृत्ति मुखर्जी,
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 77

निदेश सं० ए० मि० -4/अ० रें० -IV/ कल०/ 77-78 :—

अतः मुझे, एस० एस० ईनामदार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी सं० ख० सं० 79, दाग सं० 2944 है, तथा
जो भीसा सुलतानपुर, थाना दमदम में स्थित है (और इससे उपा-
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, काशीपुर, दमदम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-12-1976 ।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ख० सं० 79, दाग सं० 2944, मौजा सुलतानपुर,
थाना दमदम, जिला 24-परगना स्थित अस्मात् रुकान और
7 कट्टा जमीन।

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख : 12-7-77

मोहर :

प्रकर आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 जुलाई 1977

निदेश सं० एल० सी० 144/77-78 :—यतः, मुझे, सी०
पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिमकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पालघाट
तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालघाट
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 7-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
आहिण था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती रोकम्ममा अम्मा
2. श्रीमती बलक्कीग
3. श्रीमती जोहर
4. श्रीमती आमिना बेगम

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री पी० के० गोपालकृष्ण मेनोन
2. श्रीमती कुन्जम्मालू अम्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवस्थियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

22 Cents of land with buildings in Sy. No. 2471 A in
Koppam Amsom Desom Palghat.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-7-77
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th June 1977

No. A-32014/1/77-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Jasuja, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 41 days from 20th June 1977 to 30th July 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A-32014/1/77-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period from 2nd June 1977 to 31st July 1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.,
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th July 1977

No. PF/R-5/73-Ad.V.—Consequent upon his appointment in the Shah Commission, Shri R. C. Sharma, I.P.S. Assistant Director (Policy), Central Bureau of Investigation, Head Office, relinquished charge of the office of the Assistant Director (Policy), C.B.I. on the forenoon of 25th June, 1977.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 11th July 1977

No. O-II-1062/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Narendra Shanker Patil, as General Duty Officer, Grade I (Assistant Commandant) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the afternoon of 12th June, 1977 until further orders.

The 12th July 1977

No. O-II-998/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Tareque Ahamed, Junior Medical Officer, CRP Force with effect from the forenoon of 1st June, 1977.

No. O-II-1013/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Manoranjan Das, JMO, CRPF, with effect from the afternoon of 11th June, 1977.

No. O-II-1042/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Nibaran Mohanty, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis with effect from 4th July 1977 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY
Asstt. Director (Admn.).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 29th June 1977

No. E-16013(2)/5/76-Pers.—On transfer on deputation Shri Ashok Darbari IPS (MP-1968) assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit FCI Barauni with effect from the forenoon of 9th May 1977.

No. E-16014(1)/5/76-Pers.—While on deputation from Tamil Nadu State Police Shri U. C. Ramanujam Asstt. Commandant (JAO), Central Stores, Hyderabad relinquished the charge of the said post with effect from the afternoon of 15th January 1977 and assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit Cochin Port Trust, Cochin with effect from the forenoon of 9th February 1977.

8—176GI/77

This issues in supersession of Notification of even number dated 12th May 1977.

No. E-32015(2)/1/76-Pers.—The President is pleased to appoint Lt. Col. S. S. Deshpande as Commandant CISF Unit FCI Trombay on re-employment with effect from the forenoon of 19th May 1977 until further orders.

No. E-38013(3)/3/77-Pers.—On transfer Shri N. C. Sood, Asstt. Commandant CISF Unit Delhi Air Port, New Delhi relinquished the charge of the said post w.e.f. the forenoon of 10th February 1977 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit IDPL Rishikesh while on camp at New Delhi with effect from the same date.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—On transfer from Durgapur Shri Chandgi Ram, Asstt. Commandant CISF Unit DSP, Durgapur relinquished the charge of the said post with effect from the afternoon of 2nd June 1977.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—On transfer from Bhilai Shri M. L. Khurana relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Bhilai Ispat Limited Bhilai with effect from the afternoon of 21st May 1977 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant (JAO), Central Stores, Hyderabad with effect from the afternoon of 31st May, 1977.

No. E-38013(3)/7/77-Pers.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Sen Gupta as S.O. (Optee) of SAC Ahmedabad to officiate as Asstt. Commandant CISF Alloy Steel Plant Durgapur temporarily and assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 8th February, 1977.

This issues in supersession of the Notification issued vide even number dated 31st March 1977.

The 2nd July 1977

No. E-38013(3)/19/76-Pers.—The President is pleased to appoint Shri S. B. Choudhary to officiate as Assistant Commandant CISF Unit Bokaro Steel Plant Ltd Bokaro Steel City on *ad hoc* basis and assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 7th June 1977.

The 5th July 1977

No. E-32015(2)/7/76-Pers.—The President is pleased to appoint Lt. Col. S. M. Lal as Commandant Group HQs CISF, Calcutta on re-employment w.e.f. the afternoon of 7th May 1977 until further orders.

No. E-32015(2)/7/76-Pers.—On transfer from Calcutta Col. M. Srivastava assumed the charge of the post of Asstt. Inspector General at CISF HQs New Delhi with effect from the forenoon of 18th June 1977.

L. S. BISHT
Inspector General/CISF.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 11th July 1977

No. 25/13/74-RG(Ad.I).—On his return from deputation on foreign service as Data Processing Instructor under the Government of the Republic of Zambia, with effect from 26th May 1974 to 25th May 1977, Shri P. Mehra has resumed charge as Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, with effect from the forenoon of 1st June 1977.

R. B. CHARI
Registrar General, India and
ex-officio Joint Secretary

S. V. P. NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 7th July 1977

No. 15016/77-Estt.—In continuation of the Academy's Notification of even number dated 10th May 1977, Shri Onkar Singh, an Inspector of Rajasthan Police on deputation to the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad, is appointed to officiate on an *ad hoc* basis as Chief Drill

Instructor in the pay scale of Rs. 650--1200 plus Rs. 100/- Special Pay for a further period of three months with effect from 1st August 1977 or till a regular Chief Drill Instructor is appointed, whichever is earlier.

MAHMOOD BIN MUHAMMAD
Director-in-Charge.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 11th June 1977

No. Admn.I/5-5/Promotion/77-78/O. O-264/771.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri B. K. Saxena, a permanent Accounts Officer of this office has retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th June, 1977.

The date of birth of Shri Saxena is 8th June 1919.

No. Admn.I/5-5/Promotion/77-78/O. O-265/772.—Shri A. P. Mandal, a permanent Accounts Officer of this Office, has retired from Govt. service, voluntarily under F. R. 56(k) with effect from the afternoon of 30th June, 1977.

2. Shri Mandal entered Govt. service on 22nd October 1943 and his date of birth is 1st March 1920.

V. N. SUDHA
Sr. Dy. Accountant General (A).

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

New Delhi, the 5th July 1977

No. 29/77/G.—Shri S. K. Dutt, Subst. & Permt. Asstt. Director General, Ordnance Factories, Grade II, retired from service with effect from 31st May, 1977 (AN) on attaining the age of superannuation.

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General Ordnance Factories.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Controller General of Defence Accounts

New Delhi-110022 the 5th July 1977

No. 23011(1)/66-AN-II.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Class-I of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1.	Shri Arun Sharma	21-7-1976
2.	Shri Nand Kishore	21-7-1976
3.	Smt. C.R. Vijayalakshmy Gupta	24-8-1976
4.	Shri J. Natarajan	29-7-1976
5.	Shri G. P. Mohanty	15-1-1977
6.	Smt. Naresh Bala	27-11-1976
7.	Shri R.K. Singhal	5-12-1976

C. P. RAMACHANDRAN
Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C)

New Delhi, the 4th July 1977

No. Adm.I/12(10)/76.—The Chief Labour Commissioner (C) has appointed Shri Ravindra Pushpadh as Labour Enforcement Officer (Central) in a temporary capacity in this organisation. Shri Pushpadh has accordingly assumed charge of the office of the Labour Enforcement Officer (Central), Kota, on the forenoon of the 3rd June, 1977.

V. P. GUPTA
Dy. Labour Commissioner (C).

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 7th July 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/890/70-Admn.(G)/4886.—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad, permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for the period from 1st May 1977 to 30th June 1977 or till regular arrangements are made whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri Prasad as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

The 12th July 1977

No. 6/502/56-Admn.(G)/5011.—The President is pleased to appoint Shri I. V. Chunkath, an officer permanent in Grade I of the CSS in the Selection Grade of that service from 1st May 1977 to 30th June 1977.

2. The President is also pleased to appoint Shri I. V. Chunkath as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

No. 6/713/63-Admn.(G)/5035.—The President is pleased to appoint Shri N. A. Kohly permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for a further period from 1st May 1977 to 30th June 1977 or till the vacancy is available, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri N. A. Kohly as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

No. 6/1215/77-Admn.(G)/5025.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Rajajee, IAS as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras with effect from the afternoon of 31st May 1977.

A. S. GILL
Chief Controller of Imports & Exports.

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 2nd July 1977

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E. 11/ (7), dated the 11th July, 1969, as amended from time to time, add the following namely :

Under Class—2 Nitrate Mixture

1. Add "MARINEX—GS" after the entry "MARINEX—G3"

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 12th July 1977

No. A-1/1(1051).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Shiv Charan Gupta as Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service Group 'A') on probation with effect from the afternoon of the 1st July, 1977 and until further orders.

2. On appointment to Grade III of Indian Supply Service Shri Gupta assumed charge of the post of Asstt. Director (Grade I) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the afternoon of the 1st July, 1977.

KIRAT SINGH
Deputy Director (Administration).

ADMN. SEC. A-6

New Delhi, the 7th July 1977

No. A-17011(119)/A6-77.—The President has been pleased to appoint Shri Dinpankar Kirti, Exam. of Stores (Met.) a candidate nominated by UPSC to officiate in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 18th June 1977 (F.N.) until further orders.

Shri Kirti assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of the Director of Inspection (Met.) Jamshedpur from the forenoon of 18th June, 1977.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals.

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 13th June 1977

No. EI-13(180)/76(.).—On attaining the age of superannuation Shri R. L. Mitra, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st May, 1977.

A. C. CHATTOPADHYAY
Dy. Iron & Steel Controller (Admn.)
for Iron & Steel Controller.

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th June 1977

No. A-19011(79)/75-Est.A.—Shri M. R. Ruikar, permanent Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Deputy Ore Dressing Officer in Group 'A' post in the Indian Bureau of Mines on regular basis from the forenoon of 1st June, 1977.

SURESH CHAND
Head of Office.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 1st July 1977

No. F-15-2-A.1.—The following officers are appointed in a substantive capacity in the grade of Archivist (General) with effect from the dates mentioned against their names:—

1. Dr. N.H. Kulkarnee	23-2-74
2. Shri S.N. Sharma	19-4-74
3. Dr. R.K. Perti	1-3-75
4. Smt. Shukla Singh	1-5-75
5. Km. A. Roy	1-5-75
	[has since retired]
6. Dr. T. R. Sareen	1-5-75

The 8th July 1977

No. F. 11/2-1/75-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C. The Director of Archives, Govt. of India hereby appoints Dr. Rajpal to the post of Scientific Officer (Class II Gazetted) in the National Archives of India, Record Centre, Jaipur, on regular temporary basis w.e.f. 23rd June 1977 (F.N.) until further orders.

S. N. PRASAD
Director of Archives.

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th July 1977

No. 10/48/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Rajinder Pal Kumar to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Srinagar with effect from 24th May 1977 (FN).

No. 10/50/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. C. Srivastava to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Bombay with effect from 30th May 1977 (FN).

No. 10/54/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. L. Malhotra to officiate as Assistant Engineer in the office of Station Engineer, Central Stores, All India Radio, New Delhi with effect from 30th May 1977 (FN).

The 11th July 1977

No. 10/55/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri G. Chandrasekharan to officiate as Assistant Engineer at V. B. S., All India Radio, Bombay with effect from 21st May 1977 (FN).

No. 10(58)/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Naresh Kumar to officiate as Assistant Engineer at High Power Transmitter All India Radio, Najibabad with effect from 30th May 1977 (FN).

HARJIT SINGH,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 7th July 1977

No. A-12026/4/77-Est.I.—Shri M. M. Vaidya, Permanent Chief Cameraman, Film Division, Bombay, relinquished charge of his post in the Films Division in the afternoon of the 30th June, 1977 and proceeded on deputation to Afghanistan as an Expert Cinematographer under the Indo-Afghan Cultural Exchange Programme 1975-76 from that date.

2. Shri B. Khosla, offg. Cameraman has been appointed to officiate as Chief Cameraman vice Shri Vaidya with effect from the afternoon of the 30th June, 1977.

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer.

DIRECTORATE OF ADVERTISING &
VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 8th July 1977

No. A-12025/4/76-Est.—The Directorate of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Miss Dipti Rani Gupta as Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in this Directorate in a temporary capacity with effect from 15th June, 1977 (forenoon), until further orders.

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.),
for Directorate of Advertising and Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th July 1977

No. 17-63/73-Admn.I.—Consequent on his selection to the post of Editor in the Department of Family Welfare, Shri U. S. Mishra relinquished charge of the post of Publicity Officer (Audio-Visual Aids) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 21st June, 1977.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration (O&M).

New Delhi, the 8th July 1977

No. A-11017/4/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) R. D. Tandon to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Bombay on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 28th Feb 1977, till 30th July, 1977 or till regular U.P.S.C. nominee joins, whichever is earlier.

No. A-39013/7/76-CGHS.I.(Pt.I).—Consequent on acceptance of his resignation, Dr. T. B. Singh, Junior Medical Officer (*ad hoc*) under C.G.H.S., Delhi relinquished charge of his post on 13th April 1974 (AN).

No. A-39013/9/77-CGHS.I.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. N. C. Mehta, Junior Medical Officer (*ad hoc*) relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer under the C.G.H.S., Delhi on the afternoon of the 30th May, 1977.

The 12th July 1977

No. A-11017/5/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Nesamany to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Madras on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 24th February, 1977 till 30th June, 1977 or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

No. A-12020/84/75-CHS.II.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. V. P. Lohia, Junior Medical Officer (*ad hoc*) relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer under the Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of the 28th July, 1976.

R. K. JINDAL
Deputy Director Admn. (CGHS).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th July, 1977

No. A. 32013/9/76-EC.—In continuation of this office Notification No. A. 32013/9/76-EC, dated the 13th April, 1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* promotion of the following Senior Technical Officers in the Civil Aviation Department upto the date indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting	Date upto which <i>ad hoc</i> appointed sanctioned.
	S/Shri		
1.	N. R. Swamy .	Controller of Aeronautical Inspection, C.A.D., Hyderabad.	23-6-1977
2.	V. K. Khandelwal .	Controller of Aeronautical Inspection, C.A.D., Calcutta.	29-7-1977
3.	S. K. Saraswati .	Director, Radio Const. and Dev. Units, New Delhi.	10-6-1977
4.	S. P. Hardas .	Aeronautical Comm. Station, Gauhati.	31-8-1977
5.	B. N. M. Rao .	Aeronautical Comm. Station, Hyderabad.	31-8-1977
6.	R. K. Varma .	Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.	31-8-1977
7.	V. K. Chaudhary .	Aeronautical Comm. Station, Bombay	31-8-1977
8.	S. Krishnaswamy .	Aeronautical Comm. Station, Madras.	31-8-1977
9.	Sushil Kumar .	Director, Radio Const. and Dev. Units, New Delhi.	31-8-1977
10.	J. V. Sarma .	Regional Office, Bombay.	31-8-1977

P. C. JAIN
Assistant Director (Admn.)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 6th January 1977

No. PA/62(17)/73-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification of even number dated October 31, 1976, Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Pandurang Marotrao Sawai, a permanent Leading Fireman and officiating Sub-Officer to officiate as Station Officer in the same Research Centre for a further period of 2 months or until further orders whichever is earlier, on *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of December 18, 1976.

H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer.

Bombay-85, the 5th February 1977

No. PA/79(7)/76-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Kishin Sadhuram Wadhvani, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Centre with effect from the afternoon of February 5, 1977, until further orders.

The 5th March 1977

No. PA/61(4)/76-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/62(17)/73-R-IV, dated January 6, 1977, Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Pandurang Marotrao Sawai, a permanent Leading Fireman and officiating Sub-Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Station Officer in the same Research Centre with effect from February 18, 1977 (FN), until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer.

Bombay-400085, the 16th February 1977

No. PA/79(28)/75-R-IV.—The controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Nurani Lakshmanier Venkiteswaran, a permanent Assistant Administrative Officer in the grade (Rs. 650—960) in the Bhabha Atomic Research Centre as Junior Administrative Officer in the grade (Rs. 840—1200) in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1977, until further orders.

Shri Venkiteswaran relinquished charge of his post in the Assistant Administrative Officers' Grade in the Bhabha Atomic Research Centre on the forenoon of February 1, 1977.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Estt. Officer
for Controller

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 17th June 1977

No. PPED/3(282)/76-Adm.8385.—Director, Power Projects Engineering Division is pleased to appoint Shri C. R. Valia Accounts Officer-II of Tarapur Atomic Power Station on transfer to the Power Projects Engineering Division as Accounts Officer-II in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 26, 1977 until further orders.

B. V. THATTE
Administrative Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 9th June 1977

Ref. MRPU/(200)/(75)/77-Adm.—The Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri A. Venkatachalam an officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores as Asstt. Stores Officer Central Stores Unit Reactor Research Centre, Kalpakkam of Directorate of Purchase and Stores in an *ad hoc* basis officiating capacity with effect from the forenoon of 16th May 1977 to 18th June 1977.

Ref. MRPU/200(143)/77-Adm.—The Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri G. N. Nair an officiating Asstt. Stores Officer in the Directorate of Purchase and Stores as Stores Officer Central Stores Unit Reactor Research Centre, Kalpakkam of Directorate of Purchase and Stores in an *ad hoc* basis officiating capacity with effect from the forenoon of 16th May 1977 to 18th June 1977.

S. RANGACHARY
Purchase Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 7th July 1977

No. RAPP/04627/1(421)/77/S/161.—Consequent on his transfer to Madras Atomic Power Project, P.O. Kalpakkam, Tamil Nadu, Shri A. D. Gupta, a quasi-permanent Scientific Assistant 'B' and Officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB of this Project relinquished charge of his post on the afternoon of 15th June, 1977.

No. RAPP/04627/1(411)/77/Admn/S/162.—Consequent on his transfer to Madras Atomic Power Project, P.O. Kalpakkam, Tamil Nadu, Shri P. Ganguly, a quasi-permanent Scientific Assistant 'C' and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB of this Project relinquished charge of his post on the afternoon of 30th June 1977.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E).

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra-401 504, the 8th June 1977

No. TAPS/2/401/66.—Shri C. R. Valia, a permanent Accountant, and officiating Accounts Officer-II in the Tarapur Atomic Power Station relinquished charge of his post in the above Power Station from the afternoon of 19th March 1977, prior to his proceeding on Earned Leave for the period from 21st March 1977 to 18th May 1977. On expiry of leave, he has been posted to Power Projects Engineering Division, Bombay, on transfer.

No. TAPS/2/1066/74.—Shri S. S. Dangi, a permanent Selection Grade Auditor and officiating Section Officer in the office of the Resident Audit Officer, Telecom Factory, Bombay, and presently on deputation to Tarapur Atomic Power Station as Assistant Accounts Officer, has relinquished the charge of his post in this Power Station with effect from the afternoon of 30th April 1977 consequent on his repatriation to his Parent Department. Shri Dangi has been granted leave from 1st May 1977 to 11th July 1977 and on expiry, he will report for duty direct to Resident Audit Officer, Telecom Factory, Deonar, Bombay.

The 9th June 1977

No. TAPS/2/1200/76.—On transfer on deputation to Department of Electronics, New Delhi, Shri A. D. Bhatia, a permanent Assistant Administrative Officer, and officiating Junior Administrative Officer in the Tarapur Atomic Power Station, relinquished charge of his post in the Power Station from the afternoon of May 21, 1977.

(AUTHORITY :—Department of Atomic Energy Office Order No. 20/6(9)/76-CCS, dated 29th April 1977).

K. V. SETHUMADHAVAN
Chief Administrative Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 27th June 1977

No. RRC-II-1(26)/72.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri R. Rajamani, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accounts Officer of this Centre in an officiating capacity on an *ad hoc* basis as Accounts Officer-II for the period from 16th June 1977 to 16th July 1977.

S. SANKARANARAYANAN
Sr. Administrative Officer
for Project Director.

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE SYSTEMS PROJECT

Bengaluru, the 3rd June 1977

No. 020/3 (061)/77—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the posts mentioned against their names with effect from the forenoon of the dates as indicated against each in the ISRO Satellite Centre of the Indian Space Research Organisation.

Sl. No.	Name	Designation	Date	Scale of pay
S/Shri				
1.	S. Suresh Babu	Engineer SB	19-2-77	650-30-740-35-880-EB-40-960.
2.	G. Yadagiri	Do.	7-3-77	Do.

VVS Chowdary, Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 8th July 1977

No. E(I)/00913.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Prasad as Assistant Meteorologist in India Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4th June, 1977 and until further orders. Shri Prasad is posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories.

Office of the Director General of Civil Aviation

New Delhi the 1st July 1977

No. A. 32014/2/77EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers, who were officiating as Asstt. Aerodrome Officer on an *ad hoc* basis, on regular basis in the post of Asstt. Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 1st July, 1977, in an officiating capacity and until further orders.

S. No.	Name	Station of posting
S/Shri		
1.	Sarup Singh	Palam
2.	Surinder Singh	Santacruz.
3.	J.S. Sethi	Santacruz
4.	N.G. Gidwani	Palam
5.	D.P. Mazumdar	Dum Dum.
6.	O. P. Bhatnagar	Palam.
7.	S. Basu Mallick	Dum Dum.
8.	G.S. Rajamani	Madras
9.	K. M. Haridas	Santacruz.
10.	A.K. Sircar	Rourkela
11.	D. K. Guha	Dum Dum.
12.	N.V. Dhanapal	Madras.
13.	D.R. Malik	Jaipur
14.	S.M. Kaushal	Raipur.
15.	S.T. Thomas	RD Office, Madras.
16.	C.P. Vardharajan	Madras
17.	P. P. G. Nair	Visakhapatnam
18.	M.K. Banerjee	RD Office, Dum Dum
19.	M. Govindarajan	Tiruchirapalli
20.	A. C. Raizada	Safdarjung
21.	Sotanter Lal	Jammu
22.	S.K. San	Patna
23.	K. K. N. Pillai	Cochin
24.	S. Ibrahim	Madurai

S. No.	Name	Station of Posting
25.	A. B. Dutta	Dum Dum
26.	L. P. Sinha	Muzaffarpur
27.	K. C. Chandwani	Ahmedabad
28.	J. K. Misra	Port Blair
29.	Manvir Singh	Nagpur
30.	J. C. Kar	Patna
31.	A. K. Roy	Tulihal
32.	Amar Sharma	Mohanbari
33.	P. B. Mathur	Nagpur
34.	L. R. Borah	Gauhati.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 7th July 1977

No. A 12025/7/75-ES—On the recommendations of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint the undermentioned officers as Aircraft Inspectors in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the dated noted against each and until further orders :—

S/Shri		
1.	Ramendra Krishna Paul	28-2-77 Regional Director's Office Bombay.
2.	Ramcharan Gupta	5-3-77 Inspection Office Hyderabad.
3.	Sukhmander Singh Kurer	17-3-77 Regional Director's Office, Delhi.
4.	Mohamed Mustafa	23-2-77 Regional Director's Office, Bombay.

V. V. JOHRI
Assistant Director of Administration

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM

MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 8th July 1977

No. 16/177/69-Ests.I.—Consequent to joining duty by Shri Sawarn Singh, Research Officer, Shri M. P. Dimri, Research Officer, reverted to his original post of Research Assistant Grade I from the forenoon of 30th June 1977.

H. B. JOSHI
Kul Sachiv,
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Patna the 8th July 1977

C. No. 11(7)1-ET/77/8/719.—In pursuance of Government of India Department of Revenue and Banking, New Delhi's order No. 7/77 dated 21st April 1977, communicated under F. No. A-22013/12/(N)/77-CERC(Adm.), dated 21st April 1977, Sri P. K. Roy, Chief Accounts Officer, Central Excise assumed charge as Pay & Accounts Officer, Central Excise, Patna Collectorate on 6th June 1977 in the forenoon.

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 8th July 1977

No. A-12017/3/76-Adm.V.—In continuation of this Commission Notification No. A-12017/3/76-Adm.V., dated 1st March 1977 the Chairman Central Water Commission hereby appoints Shri Ch. Bhujanga Rao to the post of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on purely temporary and *ad hoc* basis for a further period from 1st March 1977 to 22nd March 1977.

MEHNGA RAM
Under Secy.
for Chairman, C. W. Commission.

CHIEF AUDITOR

NORTHERN RAILWAY

New Delhi-1, the 8th July 1977

No. Admn/17-14/72.—Shri Devindra Kumar Aggarwal, Section Officer (Audit) a permanent member of Subordinate Railway Audit Service, is appointed to officiate as Audit Officer at Workshop Audit Officer, Jodhpur w.e.f. 24th June 1977 (A.N.) until further orders.

No. Admn/17-14/72.—Shri Bhola Nath Yadav, Section Officer, Audit Member of Subordinate Railway Audit Service is appointed to officiate as Audit Officer of Divisional Audit Office, Jodhpur w.e.f. 9th June 1977 (A.N.) until further orders.

R. JOSHI
Chief Auditor/Admn.

New Delhi, the 11th July 1977

No. 10—The following officers of Stores Department of Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each :—

S/Shri		
1.	K. C. Mehta	DGOS (SC) HQ 31-3-77 AN
2.	K. L. Kohli	DGOS (under suspension) JU, Head-quarter at New Delhi. 31-3-77 AN
3.	Harbhajan Singh Khosla	SSO/HQ 31-3-77 AN
4.	D. N. Chatterjee	Dy. COS/HQ 30-4-77 AN
5.	Harbhajan Singh	ACOS/TKD (Diesel) 31-5-77 AN
6.	Vijay Mal Mathur	ACOS/Jodhpur 30-6-77 AN

J. N. KOHLI,
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
In the matter of M/s. Globe Motors (Workshop) Ltd.*

Delhi, the 11th July 1977

No. Co. Liqn./2748/12636.—By an order dated the 24th September 1975 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Globe Motors (Workshop) Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA
Assistant Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Chandranagar Tea Co. Limited*

Calcutta, the 12th July 1977

No. 5339/560(B).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chandranagar Tea Co. Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
B. Chowdhury Private Limited.*

Calcutta, the 12th July 1977

No. 11350/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the B. Chowdhury Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Surja Kumar Singh & Sons Private Limited*

Calcutta the 12th July 1977

No. 19846/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Surja Kumar Singh & Sons Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Indla Ferro-Manganese Mfg. Co. Limited*

Calcutta, the 12th July 1977.

No. 25557/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Indla Ferro-Manganese Mfg Co. Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Keystone Engineering Company Private Limited*

Calcutta, the 12th July 1977

No. 29292/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Keystone Engineering Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. P. KAPOOR
Registrar of Companies,
West Bengal

OFFICE OF THE
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

DELHI-II, NEW DELHI

New Delhi, the 28th June 1977

INCOME TAX

F No. JUR-DLI/II/77-78/16903.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 28th June 1977.

(i) Distt. VI(1) Addl., New Delhi.

F No. JUR-DLI/II/77-78/17034.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in modification of all previous orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in Column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in Column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said act to any other Income-tax officer.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax officer, Distt. VI (1), New Delhi.	(a) All persons or classes of persons incomes or classes of income and cases or classes of cases whose name begin with any of the alphabets from A to K (both inclusive). (b) All persons being partners of firms falling in items (a) above.

1	2	3
2.	Income-tax officer Distt. VI (1) Addl. New Delhi.	(a) All persons or classes of persons incomes or classes of income and cases or classes of cases whose names begin with any of the alphabets from L to Z (both inclusive). (b) All persons being partners of firms falling in items (a) above.

This notification shall take effect from 28-6-1977.

The 5th July, 1977

F No. JUR-DLI/II/77-78/17884.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf and in partial modification of notification F. No. JUR-DLI/II/76-77/7145 dated 19-5-1976 the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in column 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned under section 127 of the said Act by the Board to any other Income-tax officer or which may hereafter be assigned u/s 127 to any other Income-tax officer.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax Officer, Contractors' Circle, Ward-A, New Delhi.	(a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases carrying on the business or profession as architects and engineers falling under the jurisdiction of Contractors' circle Delhi except those assigned to Company Circle-XXII, New Delhi. (b) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Contractors, Circle, Delhi whose names begin with any of the alphabets A & B except those assigned to Income-tax officer, Company Circle-XXII, New Delhi. (c) All persons being partners of firms falling in item (a) and (b) above.
2.	Income-tax Officer, Contractors' Circle, B-Ward, New Delhi	(a) All persons or classes of persons incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Contractors' Circle, Delhi, whose names begin with any of the alphabets from C to K (both inclusive) except those assigned to Income-tax officer, Company Circle-XXII, New Delhi and I.T.O. Contractors' Circle, Ward A, New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.

(1)	(2)	(3)	(iii) Figures of income returned, (iv) Income assessed, (v) Tax payable by the assessee and (vi) Tax paid by the assessee.
3. Income-tax Officer, Contractors' Circle, C-Ward, New Delhi.		(a) All persons or classes of persons incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Contractors' Circle, Delhi whose names begin with any of the alphabets L, M, N, O & V except the cases assigned to the Income-tax Officer, Company Circle-XXII, New Delhi and I.T.O. Contractors' Circle, Ward A, New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.	
4. Income-tax Officer, Contractors' Circle, D-Ward, New Delhi.		(a) All persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Contractors' Circle, Delhi whose names begin with the alphabets P to R (both inclusive) except the cases assigned to the Income-tax officer, Company Circle-XXII, New Delhi and I.T.O. Contractors' Circle, Ward A, New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.	
5. Income-tax Officer, Contractors' Circle, E-Ward, New Delhi.		(a) All persons or classes of persons incomes of classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Contractors' Circle, Delhi whose names begin with any of the alphabets from S to Z (both inclusive) except alphabet V and except the cases assigned to Income-tax officer, Coy. Cir., XXII, New Delhi, and I.T.O. Contractors' Circle, Ward A, New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.	

This notification shall take effect from 5-7-1977.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi.

INCOME TAX DEPARTMENT

Bombay-400 020, the 24th March 1977

Following is the list of assesseees (i) being Individuals or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees and (ii) being Firms, Companies or other Association of persons, who have been assessed on an income of more than Ten lakhs of rupees, during the financial year 1975-76, wherein the first appeal has either been disposed of or the time for presenting the first appeal has expired without an appeal having been presented, indicating (i) Status 'I' for Individual, 'HUF' for Hindu Undivided Family, 'C' for Company 'F' for Registered firm, 'URF' for UN-Registered firm, (ii) Assessment year,

(iii) Figures of income returned, (iv) Income assessed, (v) Tax payable by the assessee and (vi) Tax paid by the assessee.

Schedule-I

- Shri Amin Azizbhai, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Return of income not filed, (iv) Rs. 1,56,000. (The income assessed is only the share income from URFs.)
- Shri Amiral Ali Azizbhai, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Return of income not filed, (iv) Rs. 1,56,000. (The Income assessed is only the share income from URF.)
- Shri Ashraf-ur-Rehman Azimullah, Top floor, Rajat Mahal, 144, Queens Road, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 50,200, (vi) Rs. 1,05,200, (v) Rs. 81,875, (vi) 19,700.
- Dr. (Mrs.) Baxi Laxmi V., 101, Commerce House, Meadows Street, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 96,960, (iv) Rs. 1,10,166, (v) Rs. 68,188, (vi) Rs. 68,188.
- Shri Bussa K. A., 63, Shankar Seth Building, 380, Girgaum Road, Bombay. (i) I, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 1,52,824, (iv) Rs. 1,52,824, (v) Rs. 90,783, (vi) Rs. 90,783, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,83,747, (iv) Rs. 1,83,747, (v) 1,36,558, (vi) Rs. 1,29,778.
- Shri Bhatia Arun I., 101, Commerce House, Meadows Street, Bombay. (i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 108,843, (iv) Rs. 1,09,300, (v) Rs. 68,356, (vi) 68,356.
- Shri Bhatia I. H., 101, Commerce House, Meadows Street, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 92,517, (iv) Rs. 1,11,723, (v) Rs. 70,410, (vi) Rs. 70,410.
- Shri Bhatia Prakash I., 101, Commerce House, Meadows Street, Bombay. (i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 1,35,705, (iv) Rs. 1,79,123, (v) Rs. 1,42,970, (vi) Rs. 88,677.
- Shri Charania Feroz Ismailbhai, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 26,108, (iv) Rs. 3,73,490, (v) Rs. 3,48,958, (vi) Rs. 4,900, (ii) 1973-74, (iii) Return of Income not filed. (iv) Rs. 5,55,050, (v) Rs. 60,949. Share Income from URFs has been taken for rate purposes, (vi) Nil.
- Shri Charania Ismailbhai Jamalbhai, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 13,719, (iv) Rs. 1,65,810, (v) Rs. 1,45,338, (vi) Rs. 4,411, (ii) 1973-74, (iii) Return of Income not filed. (iv) Rs. 4,15,330, (v) Rs. 1,47,269, (vi) Rs. 2,685. (Share Income from URFs has been taken for rate purpose.)
- Shri Charania Karimbhai Ismailbhai, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 28,829, (iv) Rs. 2,78,300, (v) Rs. 1,91,153, (vi) Rs. 3,071, (ii) 1973-74, (iii) Return of Income not filed, (iv) Rs. 2,99,340. The income assessed, is only the share income from URFs.
- Shri Charania, Shankatali Ismailbhai, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 15,867, (iv) Rs. 2,27,430, (v) Rs. 1,95,133, (vi) Rs. 1,850, (ii) 1973-74, (iii) Return of Income not filed, (iv) Rs. 3,96,190, (v) Rs. 26,506, Share Income from the URFs has been taken for rate purpose, (vi) Nil.
- Shri Chitalia L. H., 24, Gokul, Dr. Atmaram Merchant Road, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,45,600, (iv) Rs. 1,45,600, (v) Rs. 1,02,111, (vi) Rs. 1,02,111.
- Shri Desai D. D., 24, Brelvi Sayed Abdulla Road, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 1,46,230, (iv) Rs. 1,54,067, (v) Rs. 37,423, (vi) Rs. 37,423, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,19,960, (iv) Rs. 1,22,350, (v) Rs. 39,188, (vi) Rs. 39,188, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 1,15,400, (iv) Rs. 1,18,070, (v) Rs. 37,935, (vi) Rs. 37,935, (ii) 1975-76, (iii) Rs. 1,02,233, (iv) Rs. 1,05,633, (v) Rs. 28,234, (vi) Rs. 28,234.

15. Dr. Desai N. D. 24, Brelvi Sayed Abdulla Road, Bombay. (i) I, (ii) 1975-76, (iii) Rs. 34,221, (iv) Rs. 1,00,957, (v) Rs. 23,782, (vi) Rs. 23,782.
16. Smt. Desai Shantaben D. 24, Brelvi Sayed Abdulla Road, Bombay. (i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 1,01,258, (iv) Rs. 1,01,260, (v) Rs. 28,793, (vi) Rs. 28,793.
17. Shri Gardi D. S. 3, Usha Kiran, Carmichael Road, Bombay. (i) I, (ii) 1964-65, (iii) Rs. 22,971, (iv) Rs. 1,09,837, (v) Rs. 60,323, (vi) Rs. 45,000, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 26,960, (iv) Rs. 1,04,850, (v) Rs. 64,719, (vi) Rs. Nil.
18. Shri Goenka C. S., 16, Walkeshwar Road, Bombay. (i) I, (ii) 1954-55, (iii) Rs. 28,343, (iv) Rs. 1,03,343, (v) Rs. 51,894, (vi) Rs. 4,186, (ii) 1955-56, (iii) Rs. 24,479, (iv) Rs. 1,24,479, (v) Rs. 73,237, (vi) Rs. 2,500, (ii) 1956-57, (iii) Rs. 33,013, (iv) Rs. 1,33,013, (v) Rs. 81,674, (vi) Rs. 5,416, (ii) 1957-58, (iii) Rs. 48,378, (iv) Rs. 1,48,378, (v) Rs. 81,319, (vi) Rs. 4,283, (ii) 1958-59, (iii) Rs. 76,080, (iv) Rs. 1,76,080, (v) Rs. 97,313, (vi) Rs. 21,988 (Tax paid as at items (vi) does not include payments made under Voluntary Disclosure Scheme).
19. Shri Haji Mastan Mirza, Meher Building, Chowpatty, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Return of Income not filed, (iv) Rs. 21,09,086, (v) Rs. 32,28,688, (Inclusive of interest u/s. 139 and u/s. 217), (vi) Rs. Nil.
20. Shri H. H. Dr. Syedana Mohammed Buhrauddin, Badri Mahal, D. N. Road, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 2,05,560, (vi) Rs. 2,05,560, (v) Rs. 1,57,235, (vi) Rs. 1,57,234.
21. Shri Kamani Ashish P., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Ballard Estate Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,45,530, (iv) Rs. 1,43,910, (v) Rs. 1,00,197, (vi) 1,00,197.
22. Shri Kamani H. R. Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Ballard Estate, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73 (iii) Rs. 67,350, (iv) Rs. 1,24,670, (v) Rs. 42,415, (vi) Rs. 5,849.
23. Shri Kamani Navin R., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Ballard Estate, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 68,790, (iv) Rs. 1,00,900, (v) Rs. 60,628, (vi) Rs. 55,770.
24. Shri Kapadia Nagindas M., Gulistan, 1st floor, 14th Road, Khar, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73 (iii) Rs. 2,61,520, (iv) Rs. 2,61,520, (v) Rs. 2,22,586, (vi) Rs. 54,108.
25. Shri Mehta Chandrakant M., C/o. M/s. Gagrut & Co., Tamrind Lane, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,28,033, (iv) Rs. 1,32,310, (v) Rs. 89,966, (vi) Rs. 89,966.
26. Shri Mehta D. C. C/o. M/s. Mohanlal Raichand, 81, Zaveri Bazar, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,61,783, (iv) Rs. 1,81,530, (v) Rs. 1,43,847, (vi) Rs. 1,43,847.
27. Shri Mehta V. C., C/o. M/s. Mohanlal Raichand, 81, Zaveri Bazar, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,67,168, (iv) Rs. 1,76,690, (v) Rs. 1,39,183, (vi) Rs. 1,39,183.
28. Shri Nasruddin Abdul Karim, Baitul Sirur, Warden Road, Bombay. (i) I, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 35,480, (iv) Rs. 1,54,510, (v) Rs. 1,55,482, (vi) Nil. (ii) 1972-73, (iii) Rs. 70,850, (iv) Rs. 1,02,646, (v) Rs. 50,324, (vi) Nil.
29. Shri Patel J. V. C/o. J. V. Patel & Co., 32-34, V. N. Road, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 98,620, (iv) Rs. 1,53,720, (v) Rs. 1,09,222, (vi) Rs. 70,895, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,56,680, (iv) Rs. 1,78,170, (v) Rs. 1,31,716, (vi) Rs. 1,31,716.
30. Shri Patel Parmanant T., Patel House, S. Patkar Marg, Bombay. (i), (ii) 1969-70, (iii) Rs. 1,00,150, (iv) Rs. 1,08,450, (v) Rs. 58,537, (vi) Rs. 52,067, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 1,70,480, (iv) Rs. 2,00,690, (v) Rs. 1,29,823, (vi) Rs. 1,29,823, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 69,250, (iv) Rs. 1,08,880, (v) Rs. 67,970, (vi) Rs. 33,896.
31. Shri Patel Ramanlal T., Patel House, S. Patkar Marg, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 72,530, (iv) Rs. 1,12,160, (v) Rs. 70,987, (vi) Rs. 51,701.
32. Shri Patel S. J., C/o. J. V. Patel & Co., 32-34, D. N. Road, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,26,620, (iv) Rs. 1,38,710, (v) Rs. 95,615, (vi) Rs. 85,384, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 1,26,273, (iv) Rs. 1,42,250, (v) Rs. 98,410, (vi) Rs. 98,410.
33. Shri Peshimam Mohd. Hasan Mohd. Ismail, C/o. M/s. SAMS Engg Works Ghorapdeo Cross Lane, Mozgaon, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 24,957, (iv) Rs. 3,70,000, (v) Rs. 3,22,427, (vi) Rs. Nil.
34. Shri Shah C. M., Ramon House, Backbay Reclamation, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 62,960 (Loss), (iv) Rs. 2,75,510, (v) Rs. 2,37,640, (vi) Rs. 10,000, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 45,810, (iv) Rs. 1,17,660, (v) Rs. 77,568, (vi) Rs. Nil.
35. Shri Shah D. N. Krishna Niwas, 2/12, Walkeshwar Road, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 17,500, (iv) Rs. 3,15,000, (v) Rs. 3,17,144, includes interest also. (vi) Rs. Nil.
36. Shri Shah H. K. Ramon House, Backbay Reclamation, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 4,30,000, (iv) Rs. 3,45,610, (v) Rs. 2,97,778, (vi) Rs. 15,000, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 64,950, (iv) Rs. 1,83,570, (v) Rs. 1,26,060, (vi) Rs. 16,179.
37. Shri Shah J. B., C/o. M/s. Laxmi Bangles Industries, 6th Carter Road, Worli, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 32,182, (iv) Rs. 1,30,231, (v) Rs. 1,12,405, (vi) Rs. 51,566, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 41,230, (iv) Rs. 1,10,522, (v) Rs. 80,475, (vi) Rs. 13,500.
38. Shri Shah M. G., Kachiya Pole, Tekri Cambay, Gujarat State. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 70,892, (iv) Rs. 1,02,881, (v) Rs. 49,694, (vi) Rs. 17,603.
39. Shri Shah S. B., C/o. Mahavir Bangle Works, 6th Carter Road, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 32,403, (iv) Rs. 1,31,780, (v) Rs. 89,038, (vi) Rs. 45,280, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 36,960, (iv) Rs. 1,04,300, (v) Rs. 74,191, (vi) Rs. 11,466.
40. Shri Shah S. K., Ramon House, 169, Backbay Reclamation, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 10,630 (Loss), (iv) Rs. 3,39,603, (v) Rs. 2,93,234, (vi) Rs. 32,866, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 70,000, (iv) Rs. 1,79,220, (v) Rs. 1,51,214, (vi) Rs. 30,340.
41. Smt. Toshniwal Pushpalata, 98, J. T. Road, Churchgate, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,49,490, (iv) Rs. 1,53,600, (v) Rs. 1,06,154, (vi) Rs. 1,06,154.
42. Shri Vazrani M. S., Canara Bank Bldg., 15/17, Mangalore Street, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 38,417, (iv) Rs. 1,01,921, (v) Rs. 61,275, (vi) Rs. 14,696.

Schedule-II.

1. M/s. Apar Pvt Ltd., 24, Brelvi Sayed Abdulla Road, Bombay. (i) C, (ii) 1966-67, (iii) Rs. 27,67,592, (iv) Rs. 26,70,072, (v) Rs. 12,25,110, (vi) Rs. 12,25,110.
2. M/s. Kamani Metals & Alloys Ltd., Kamani Chambers 32, Nicol Rd., Ballard Estate, Bombay. (i) C, (ii) 1962-63, (iii) Rs. 13,83,700, (iv) Rs. 13,83,700, (v) Rs. 6,40,763, (vi) Rs. 6,40,763, (ii) 1963-64, (iii) Rs. 29,43,767, (iv) Rs. 29,63,767, (v) Rs. 14,14,166, (vi) Rs. 14,14,166, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 16,45,270, (iv) Rs. 27,01,645, (v) Rs. 15,90,462, (vi) Rs. 15,90,462.
3. M/s. Kamani Metallic Oxides Pvt. Ltd., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Ballard Estate, Bombay. (i) C, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 14,86,518, (iv) Rs. 17,39,278, (v) Rs. 9,35,337, (vi) Rs. 8,11,833.

4. M/s. Kamani Tubes Pvt. Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Ballard Estate, Bombay. (i) C, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 63,28,440, (iv) Rs. 68,75,226, (v) Rs. 41,77,014, (vi) Rs. 39,22,412.
5. M/s. Killick Nixon Ltd., Killic House, Home Street, Bombay. (i) C, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 27,58,058, (iv) Rs. 27,60,000, (v) Rs. 11,27,484, (vi) Rs. 11,27,484.
6. M/s. New Standard Engg. Co. Ltd., N.S.E., Estate, Goregaon (E), Bombay. (i) C, (ii) 1962-63, (iii) Rs. 13,04,372, (iv) Rs. 13,87,340, (v) Rs. 5,61,119, (vi) Rs. 5,61,119, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 9,10,691, (iv) Rs. 10,92,650, (v) Rs. 6,53,409, (vi) 6,53,409.
7. M/s. Reliable Traders, 47, Pydonie Road, Khadak, Bombay. (i) F, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 86,990, (iv) Rs. 11,99,296, (v) Rs. 3,89,805, (vi) Rs. 4,248, (i) URF, (ii) 1973-74, (iii) Return of Income not filed, (iv) Rs. 10,00,000, (v) Rs. 12,04,602, inclusive of interest u/s. 139 (vi) Rs. Nil.
8. M/s. West Coast Paper Mills Ltd., Shreeniwas House, H. S. Marg, Bombay. (i) C, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 1,38,03,450, (iv) Rs. 1,39,65,130, (v) Rs. 78,72,842, (vi) Rs. 78,72,842.

T. Y. C. RAO
Commissioner of Income-tax,
(Central) Bombay.

FORM ITNS

- (1) 1. Rokkamma Umma.
2. Balkis.
3. Johra.
4. Amina Beegim.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th July 1977

Ref. L.C. No. 144/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Palghat Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palghat on 7-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. P. K. Gopalakrishna Menon.
2. Kunjammalu Amma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22 cents of land with buildings in Sy. No. 2471 A in Koppam Amsom Desom Palghat.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-7-1977
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

9, FOREST PARK BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 11th July 1977

Ref. No. 48/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I S. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing P.S. 204, situated at Mouza Town Bisinabar, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 15-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramendra Nath Mitra S/o Late Rac Bahadur Ramesh Ch. Mitra.
- (2) Smt. Krishna Mitra, W/o Ramendra Nath Mitra, (Transferor)

- (2) Shri Satya Narayan Bhralawala, S/o Late Mulchand Bhralawala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Town Bisinabar, Khata No. 916/1 and Touzi No. 2498 in the district of Cuttack under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by Sale document No. 2124 dated 15-4-77.

S. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 11-7-77

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 14th July 1977

Ref. No. P.R. No. 514 Acq. 23-912/6-2/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 73 Tika No. 19/1 (paiki) situated at Dandia Bazar, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Sub-Registrar, Baroda in November 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Indrasinh Ajitsinh, 28, Harinagar Society, Gotri Road, Baroda.
(Transferor)
- (2) Dharmendra Apartments Coop. Housing Society, President : Jagdishchanda Bhogilal Parikh, Dandia Bazar, Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and bearing S. No. 73 Tika No. 19/1 (paiki) situated at Dandia Bazar, Baroda, Dist. Baroda admeasuring 931 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 4223 in the month of November 1976 by the registering officer, Baroda.

S. C. PARIKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 14-7-1977
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dharmendra Sinhji Ajitsinhji; 28, Harinagar Society, Gotri Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dharmendra Apartments Coop. Housing Society, President : Jagdishchandra Bhogilal Parikh, Dandia Bazar, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380009, the 14th July 1977

Ref. No. P.R. No. 515 Acq. 23-912/6-2/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), thereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- S. No. 73 Tika No. 19/1 (paiki), situated at Dandia Bazar, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar, Baroda in November 1976, for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing S. No. 73 Tika No. 19/1 (paiki) situated at Dandia Bazar, Baroda Dist. Baroda, admeasuring 931 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 4224 in the month of November 1976 by registering Officer, Baroda.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 14-7-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Ajisinh Harisinghji; 28, Harinagar Society, Gotri Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dharmendra Apartment Coop. Housing Society; President : Jagdishchandra Bhogilal Parikh; Dandia Bazar, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 14th July 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Ref. No. P.R. No. 516 Acq. 23-912/6-2/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

S. No. 73 Tika No. 19/1 (paiki), situated at Dandia Bazar, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar, Baroda in November 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing S. No. 73 Tika No. 19/1 (paiki) situated at Dandia Bazar, Baroda, Dist. Baroda admeasuring 915 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 4221 in the month of November 1976 by the registering Officer, Baroda.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Ahmedabad-380009, the 14th July 1977

Ref. No. P.R. No. 517 Acq. 23-912/6-2-/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 73 Tika No. 19/1 (paiki situated at Dandia Bazar, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Baroda in November 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vasantkuverba Ajitsinhji; 28, Harinagar Society, Gotri Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Dharmendra Apartment Coop. Housing Society, President : Jagdishchandra Bhogilal Parikh, Dandia Bazar, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 73 Tika No. 19/1 (Paiki) situated at Dandia Bazar, Baroda Dist. Baroda admeasuring 931 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 4222 in the month of November 1976 by the registering Officer, Baroda.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 14-7-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380009, the 14th July 1977

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-1277 (583)/11-4/76-77.—
Whereas, I S. C. PARIKH,
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Municipal No. 11-4-79, City Survey Ward No. 3, S. No. 3177 situated at National Highway Ranavav to Kundorana Road, Mahatma Gandhi Road, Porbandar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 29-11-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
10—176GI/77

- (1) M/s National Petroleum Co. through its partners—
1. Shri Nathalal Gokaldas, 2. Manaji Kalidas, 3. Shamaji Ladhhabhai, 4. Gokaldas Ladhhabhai, 5. Chhaganlal Ladhhabhai, 6. Ratilal Ladhhabhai, 7. Chatrabuj Ladhhabhai, 8. Yusufali Musaji, 9. Akbarali Musaji, 10. Husenali Rahemutal, 11. Abdulhussain Musaji, 12. Jamnadas Karsandas Kotecha, 13. Vinodray Odhavji Cholera, and 14. Lakhmashi Karsandas Kotecha, for self and also as a power of attorney holder of above 1 to 13.

(Transferor)

- (2) M/s Kothari & Co., Near Shrinathji Haveli, Mahatma Gandhi Road, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 990 sq. yards bearing Municipal No. 11-4-79, City Survey Ward No. 3, S. No. 3177, situated at National Highway Ranavav-Kundorana Road, Mahatma Gandhi Road, Porbandar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1901 dated 29-11-1976 by the Registering Officer, Porbandar.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 14-7-1977

Sent :

FORM ITNS—

(1) Shri Harbans Lal Bhaseen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khub Chand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Purchaser.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

(4) None.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Lucknow, the 7th July 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 73-K/Acq.—Whereas, I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of house No. 98, situated at Baidari Lane, Lalbagh, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 5-11-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot of house No. 98 situated at Baidari Lane, Lalbagh, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-7-1977,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Krishna Kumar Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamai Devi Rastogi.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

(4) No

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 11th July 1977

Ref. No. 74-K/Acq.—Whereas, I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 195/85 situated at Golaganj, (Bulandbagh) Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 11-11-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 195/85 with land situated at Golaganj, (Bulandbagh) Lucknow.

A. S. BISEN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 11-7-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 11th July 1977

Ref. No. 151-5/Acq.—Whereas, I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number House No. 260/3 situated at Pura Watdi Keetganj, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-11-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram Dulari. (Transferor)
- (2) Shri Srinivas, Virendra Kumar, Lalita Devi. (Transferee)
- (3) Purchasers. (Person in occupation of the property)
- (4) No (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 260/3, measuring 139.44 sq. mtr. Pura Watdi, Keetganj, Allahabad.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 11-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 12th July 1977

Ref. No. 94-M/Acq.—Whereas, I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5-B situated at A. P. Sen Road, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-11-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijay Krishna Srivastava.

(Transferor)

(2) Shri Maheshwar Dayal Srivastava, Shyam Lal Srivastava, Onkar Prasad Srivastava and Jagdish Chandra Srivastava.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5-B, measuring 12294 sq. ft. situated at A. P. Sen Road, Lucknow.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 12-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harbanslal Khindari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mulakh Raj Murgai.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

(4) None.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th July 1977

Ref. No. 95-M/Acq.—Whereas, I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. House No. 5-A situated at Singarnagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house with Plot No. 5-A, situated at Singarnagar, Lucknow.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Ram Kali, Widow of Sri Ram Dayal, Guardian of Shri Harpal Singh S/o Ram Dayal R/o Vill. Sunpahar Adalpur, Parg. Atrauli, Distt. Aligarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th July 1977

- (2) Shri Harnam Singh, Shivani Singh S/o Bhojraj Singh, Dalpat Singh S/o Bal Kishan, and Shri Yadram S/o Bihari Singh, R/o Vill. Sunpahar Adalpur, Teh. Atrauli, Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 68-A/Acq/Atrauli/77-78.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per scheduled situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Atrauli on 13-10-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of Agricultural land, situated at Village Sunbahar Adalpur, Parg. Mamecri, Teh. Atrauli, Distt. Aligarh, transferred for an apparent consideration of Rs. 25,500/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1977

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shrimati Ram Dulari, Widow of Shyam Sumr
Dixit R/o Auraiya, Distt., Etawah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Naraini Devi D/o Ganga Pd. Awasthi
wife of Omdi Dixit, R/o Vill Sehud, Auraiya, Distt.
Etawah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th July 1977

Ref. No. 482-A/Acq/Auraiya/76-77/1996. —Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per scheduled situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Auraiya (Etawah) on 13-10-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land, situated at Vill. Sehud, Parg. Auraiya, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-7-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kishan Chand R/o 6, Raj Niwas Marg, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satnam Singh S/o Shri Mehtab Singh R/o 111-A/291, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th July 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. B-31, Sarvodaya Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,40,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

11—176GI/76

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-7-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri H. R. Sharma S/o Taswant Rai r/o I-934, Sarojini Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Kumar Ahuja S/o Shri Karam Chand Ahuja r/o U-IV/28(D.S.) Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 12th July 1977

Ref. No. IAC/Acq.I/1217/Dec-II(6)/76-77/2128.—

Whereas I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

U-IV/28 situated at Lajpat Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 22-12-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Govt. built quarter No. U-IV/28 situated at (D.S.) Lajpat Nagar, New Delhi with 5% lease hold rights of the land under the said quarter.

J. S. GILL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 12-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. C. Nangia S/o Shri Gobind Ram Nangia
r/o C-91, Jangpura-B, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasad S/o Shri Dina Nath
r/o A-253, Kidwai Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 12th July 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I/1208/Dec-I/(9)/76-77/2128.—

Whereas I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. B-89, Jangpura-B situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

New Delhi on 9-12-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

A Govt. Built quarter No. B-89, Jangpura-B, New Delhi with
the lease-hold rights of the land under the said quarter and
bounded as under :—

North	Road
South	Drain/Road
East	G.B.P. No. 91
West	Open parrage/G.B.P. No. 87.

J. S. GILL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 12-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI 11(110001)

New Delhi, the 12th July 1977

Ref No IAC/Acq I/1193/Nov II(24)/76 77, 2728 —

Whereas I, J S GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No E-94, situated at Greater Kailash II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 27-11-1976,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yatinder Parti S/o Shri Ram Parkash Parti
r/o B A/118, W E A Kailash Bagh, New Delhi-5

(Transferor)

- (2) Shri Bal Kishan Kitchlu S/o Shri Parduman Kishan Kitchlu r/o Bungalow No 14, 'B' Road Maharani Bagh, New Delhi-14

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A dwelling house on Ground floor and partly on 1st floor, constructed on a free-hold plot of land measuring 250 sq yds bearing No E-94 situated at Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :—

North	Plot No E-96
South	Plot No E-92
East	Road
West	Service Lane

J S GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date 12-7-1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001)

New Delhi, the 14th July 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/571(5)/76-77.—Whereas I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9B Block 6 (6B/9) situated at N.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Damyanti Rani Chadha wd/o Shri Maharaj Krishan Chadha 6B/10 N.E.A. Karol Bagh. New Delhi-60.
(Transferor)
- (2) S/Shri Ravinder Nath Dewan, Upinder Nath Dewan and Rajinder Nath Dewan sons of Shri D. D. Nath Dewan, r/o 6 Old Jail Road, Amritsar.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied building constructed on a plot of land measuring 737 sq. yds situated at No. 9-B Block 6, N.E.A., Karol Bagh, New Delhi-110060 and bounded as under :—
North : 20' wide road
South : 40' wide road
East : House No. 6-B/10
West : House No. 6-B/8

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 14-7-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 11th July 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/569(3)/76-77.—Whereas I, A. L. SUD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2399 situated at Naiwala, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-11-1976,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bishan Dass Sukhija S/o Late Shri Pokhar Dass r/o K-89 Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Vandana 2399 Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi through its partner Shri Prem Chand Agarwal.

(Transferee)

(3) Shri Seva Ram Suri & Sons, 2. Shri Balakrishna Dass Nagar of M/s Nagar Sons; 3. Shri Matadin Agarwal 4. Shri Ram Lal.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied building constructed on a plot of land measuring 222 sq. yds. bearing No. 2399 in Ward No. XVI, situated at Nai Wala, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali
South : Road
East : Hotel Sobti
West : Punjab and Sind Bank.

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-7-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narayanreddy, S/o Chandra Reddy, R/o Kumarwadi St. Mahaboobnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Galamma W/o late Raghava Reddy, H. No. 3-5-51 near Old Hospital, Kumarwadi, Mahaboobnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 13th July 1977

Ref. No. RAC No. 48/77-78.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-51 situated at Kumarwadi, Mahaboobnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Mahaboobnagar, on 6-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 3-5-51 at Kumarwadi, near Old Hospital, Mahaboobnagar total area 317 sq. yds. Registered in the office of the Sub-Registrar Mahaboobnagar, vide Doc. No. 28/76-77.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 13-7-1977

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1977

Ref. No. RAC. No. 49/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 6-3-887/1 situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Lakshmi N. Bhawanani, W/o late Narayan P. Bhavnani, 2. Sri. Anil Bhavnani, 3. Sri Bimal Bhavnani, both are students, per General Power of Attorney Holder for No. 1, & 2, the Vendor No. 1 herein, all R/o A-29 Friends Colony, East, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta Kantilal Shah, W/o late Sri Kantilal Shah, H. No. 6-3-883/A 13 situated at Panjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the portion of the double storeyed premises bearing No. 6-3-887/1 and marked 'B' in the plan, admeasuring 480.8 Sqd. Yards situated at Raj Bhavan Road, Begumpet, Hyderabad (presently known as Somajiguda).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-7-1977

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1977

Ref. No. RAC. No. 50/77-78.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-11-1079/7 situated at Mirchi Compound Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 17-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—176GI/77

- (1) Shri Paither Ramesh, S/o Veeresham, H. No. 9-7-833/3, at Devi Road, Nizamabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Padmabai, W/o Jairaambhai, H. No. 6-20-52 at Guraba-Abadi, Road, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Hut with Open Yard, half Western Portion of the Premises bearing M. No. 7-11-1079/7, bounded on :

North : land etc. of Karсандас & Jethalal,
South : land etc. of G. Baloji and Gangoni Gangaram.
East : remaining other portion of the seller.
West : Public Road.

situated behind Lala Lajpat Rai Gunj, (Mirchi Compound) Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1977

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1977

Ref. No. RAC. No. 51/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1/310/A situated at Ghandhi Nagar, Cuddapah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Cuddapah on 5-11-1976, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rachuri Chinna Subbarayudu, S/o Chinna Siddiah, R/o Bahadur Khan Mosque, Street, Cuddapah.
(Transferor)
- (2) Smt. Kareemunnisa Begum, W/o Haji Mohd. Rahmatullah, R/o Kagitalapenta, Cuddapah.
(Transferee)
- (3) Sri Pasuputi Subbarayudu, H. No. 1/310/A at Cuddapah.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Door No. 1/310/A Terrace house at Ghandhi Nagar, Cuddapah. Registered vide Doc. No. 3300/76 in the Office of the Sub-Registrar Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1977

Ref. No. RAC. No. 52/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/231/1 to 3 Plot No. 65 situated at Ananthapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 16-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri M. Narsimharao, S/o Mahankali Narayana Rao, D. No. 8-3-684/3/2, L.I.C. Employees Colony, Yellareddiguda, Hyderabad, 38. Represented by G.P.A. G. Nataraj, D. No. 8-3-684/3/2 Yellareddiguda, Hyderabad-38.

(Transferor)

(2) Sri M. Nagabhushana Rao, S/o Mahendrakar Jagoji Rao, Executive Engineer, Irrigation & Power Dept. Ongole, Prakasam Dist.

(Transferee)

(3) Sri M. Gopalakrishnayya, Asst. Commissioner of Religious Endowments, Ananthapur.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old No. 4, TS No. 231/1 to 3 Plot No. 65 Ac. 0.139, D. No. 349, Asst. No. 1172, present D. No. 6/544 present Assessment No. 2929 Ananthapur, Registered vide Doc. No. 5314/76 in the office of the Sub-Registrar Ananthapur.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1977

Ref. No. RAC. No. 53/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1282/1 & 1283 situated at Yellampally-Villg, Proddatur-Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mydukur on 16-12-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s Mydukur Khandsari Sugar Industries, Registered Firm by its Partners, 1. Sri T. G. Krishna Murthy, 2. Sri H. P. Jain, 3. Sri S. Sethurama Rao, 4. Sri R. Rama Reddy, all residing at Adoni, Kurnool-Dist.
(Transferor)

- (2) M/s Tirumala Khandsari Udyog. partners Shri Jharmal Tibrewall S/o Bajinath Tibrewall, 2. Mrs. Purshpa Devi, 3. Pawan Kumar Tibrewala, 4. Sri Pradeep Kumar Tibrewala, 5. Sri Prabhu Dayal, 6. Sri Ramgopal Dalmia, 7. Sri Gulzarilal Kedia, R/o 15-2-673 Kishangunj, Hyderabad. Represented by G. K. Family Trust being a Trustee. All residing at H. No. 5-9-30/2/24-25 at Bashirbagh Palace, Bashirbagh, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building situated in Yellampalli Village, Proddatur-Cuddapah. Dist. Survey Nos. 1282/1 and 1283, total area : 11.90 Acrs. Registered in the Office of the Sub-Regist. Mydukur, vide Doc. No. 2324/76.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1977

Ref. No. RAC. No. 54/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-15-1492, 1493 and 1496/1 situated at Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 15-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Nethi Jagdeeshwar and Sri Arurapalli Rajeshwar both residing at Nizamabad.

(Transferor)

- (2) Shri Padma Shivarajaiah, S/o P. Chinniah R/o Bada Bazar, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mill (without Machinery) part of the premises bearing M. No. 6-15-1492, 6-15-1493, and 6-15-1496/1 comprising of Cattle-shed, godowns, Well, open space situated at Gurba-Abadi Road, Nizamabad, total area : 1781.72 Sq. Yds. Registered vide Doc. No. 2287/76 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-7-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devatha Papaiah, S/o Chandraiah, R/o Gandhi Gunj, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Padma Sathiah, S/o Padma Chinniah, R/o Bada Bazar, Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th July 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 55/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-15-1496, 1481 and 1484 situated at Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 17-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of the premises bearing M. No. 6-15-1496 and 6-15-1481 to 1484 consisting of Godowns, hall, verandhah, etc. situated at Gurba-Abadi Road, Nizamabad total area : 1784.44 Sq. Yds. Registered vide Doc. No. 2305/76 in the office of the Sub-Registrar of Nizamabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th July 1977

Ref. No. RAC. No. 56/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 68 situated at Yousufguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kairatabad on 18-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Kuchibotla Pushpavati, 2. Sri Kuchibotla Harumath Prasada Rao, both residing at 13/1 at Umayal Road Alagappa Nagar, Kilpauk, Madras-600010, 3. Kuchibotla Subba Rao, both sons of Sri K. Ramamurthy, H. No. 13/1 Umayal Road, Alagappa Nagar, Kilpauk, Madras-600010.

(Transferor)

- (2) Sri Hari Punyakoty S/o Gopala Krishnayya Hari, H. No. 4/16 Brodiepet, Guntur-522002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land comprised in Survey No. 68 of Yousufguda, Hyderabad measuring 1000 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1948/76 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad, and bounded as follows:

East : House and site No. 8-3-219/1.
South : 30 ft. wide existing and to Yousufguda,
West : land of Sri Ravi Kumar,
North : Proposed Road 30 ft.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-7-1977
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Nawab Imdal Jah Bahadur, S/o H. E. H. The Nizam Late, Mir Osman Ali Khan Bahadur, H. No. 3-5-121/F/1 Eden Garden, Kingh Koti, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Vijaya Kumar Devda S/o Changalal Devda H. No. 15-6-502 at Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th July 1977

Ref. No. RAC. No. 57/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

No. 3-5-141/2/7 situated at Eden Garden Kingh Kothi, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-11-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the House M. No. 3-5-141/2/7 situated at Eden Garden King Kothi, Hyderabad admeasuring 200 Sq. Yds. Registered vide Doc. No. 2155/76 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 16-7-1977
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
SMT. KGMP AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 13th July 1977

Ref. No. AR-I/1879-2/Nov 76.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/265, 430, 440, 267, 1/267, 2/267 and 3/267 of Lower Parel Divn. situated at off Fergusson Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
13—176GI/77

(1) Shri N. M. Virwani.

(Transferor)

(2) M/s A to Z Industrial Premises Co-operative Society Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 2083/72/Bom and registered on 1-11-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Radia & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-ISMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th July 1977

Ref. No. AR-I/1909-4/Nov 76.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 34 of Fort Division situated at Ramapart Row, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 15-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Dalpatlal Chandulal Mehta,
2. Vrajilal Chandulal Mehta,
3. Vinaben Bhanuchandra Bhansali,
4. Mrs. Sushilaben Ramniklal Mehta,
5. Mrs. Rajnikaben Arunkumar Mehta,
6. Mrs. Prabhavati Kantilal Bhansali,
7. Chhotalal Nanalal Shah Family Trust, and
8. Mr. Ashvin M. Mehta & Mr. Narendra M. Mehta, as executors.

(Transferee)

- (3) Tenants. (Persons in the occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 1151/68/Bom. and as registered on 15-11-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE—IIISMT. K G M P AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 16th July 1977

Ref. No. Acqn. Range-III/AP.276/77-78.—Whereas I, G. A. JAMES

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 56, Hissa No. 1(Pt) C. T. S. No. 709, situated at Deo Road, Andheri (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 6-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Dr. Narayan Ramchandra Deo for Self and as Karta of his Hindu Undivided Family, 2. Smt. Durgabai Wife of Shri Narayan R. Deo, 3. Shri Vasant Narayan Deo, 4. Smt. Usha Wife of Shri Vasant N. Deo, 5. Shri Vilas Narayan Deo, 6. Smt. Jyotsna Wife of Shri Vilas N. Deo, 7. Shri Vijay-kumar Narayan Deo, 8. Smt. Rekha Wife of Vijay-kumar N. Deo. All of 29A Dawood Baug Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

(Transferors)

(2) 1. Smt. Panbai Manshi Chheda C/o. Shri M. P. Chheda, 203, D. N. Road, Bombay-400 001, (2) Shri Mohan Yeshwant Sabnis, Savitri Building, Telly, Gally Cross Road, Andheri (E), Bombay-400 069.

(Transferees)

(3) 1. Shri Amarnath Ranjit Sharma 3. Appolodevi Co. op. Housing Society Ltd., Dixit Road (E), Vile Parle (E), Bombay-400 057, 2. Shri Chandulal Mohanlal Shah, 'Kalpana', 26 Park Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate lying and being at Deo Road, Andheri (East) bearing Survey No. 56, Hissa No. 1(Pt) and bearing Andheri East City Survey No. 709 admeasuring 536.79 sq. metres or thereabouts equivalent to 642 sq. yards or thereabouts and bounded as follows: That is to say on or towards the East by a Road leading to Western Express High Way, on or towards the West partly by City Survey No. 708 and partly by City Survey No. 710, on or towards the North by Deo Road and on or towards the South by land bearing City Survey No. 710.

G. A. JAMES

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 16 July 1977.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Othilia Rego

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arcadia Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE—I(3) Members of the Society.
(Persons in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 002, the 16th July 1977

Ref. No. AR-I/1881-4/Nov 76.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. 136/10 of Matunga Division (Plot No. 172), situated at Dadar-Matunga Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bombay on 1-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in the registered Deed No. 2986/72/Bom. and as registered on 1-11-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16 July 1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Jamuna Devi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Sarju Devi, 2. Smt. Rama Devi & 3. Sri Kanaiyalal Shaw.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE—IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th July 1977

Ref. No. AC-1/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. C. I. T. Plot No. 30, situated at Scheme No. XII, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 5-11-76

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. In the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the structures and land with an area of 148.475 sq. metres more or less and being the divided western portion of plot No. 30 of surplus land in C.I.T. Housing Scheme No. XII (within Scheme No. VII-M) old premises No. 200/201, Maniktola Main Road, Calcutta as described in the schedule of deed of conveyance being No. 4280 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range IV : Calcutta.

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 7-7-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Dipika Bhattacharjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Sujata Roy, 2. Sri Kumar Krishna Roy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE—IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th July 1977

Ref. No. AC-2/Acq. R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/A, situated at Nakuleswar Bhattacharjee Lane, Calcutta-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 17-11-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An area of 4 cottahs 2 chittaks 40 sft. with 2-storeyed building known as premises No. 24/A, Nakuleswar Bhattacharjee Lane, Calcutta-26, P.S. Tollygunge, Mouza Monoharpur under Calcutta Corporation.

S. S. INAMDAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV : Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 7-7-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nandalal Bandopodhyay, 18/3, Satyen Roy Br. Road, Cal-34.

(Transferor)

(2) Shri Alope Ganguly, 53/1A, Turf Road, Cal-25.

(Transferee)

*(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

I. A. C., ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1977

Ref. No. AC-15/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18/3, situated at Satyen Roy Br. Road, P. S. Behala, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar 24-Parganas, Alipore on 19-11-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-cottahs, 7-chittaks & 20-sq. ft. together with two storeyed building being premises No. 18/3, Satyen Roy Br. Road, P. S. Behala, Calcutta.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 11-7-1977,

Seal :

FORM ITNS

(1) Navasakti Newspapers Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ganesh Narayan Sultania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1977

Ref. No. AC-3/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing

No. 6/1/C, situated at Prannath Chowdhury Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 22-12-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A building on land measuring about 11 cottahs 14 chittaks 37 sft. at 6/1/C, Prannath Chowdhury Lane, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. S. INAMDAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 12-7-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Namita Debi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Anil Kumar Mukherjee, 2. Smt. Tripti Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-4/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 79, Dag No. 2944, situated at Mouza Sultanpur, P. S. Dum Dum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipur Dum Dum on 1-12-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Incomplete building and land measuring 7 cottahs situated within Kh. No. 79, Dag No. 2944, Mouza Sultanpur, P. S. Dum Dum Dist. 24 Pgs.

S. S. INAMDAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range IV, Calcutta

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 12-7-1977.

Seal :

